राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 324 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार, 01 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

दिल्ली उच्च न्यायालय पहुंची जूही चावला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अभिनेत्री जूही चावला ने देश में 5जी वायरलेस नेटवर्क स्थापित करने के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। अभिनेत्री जूही चावला ने नागरिकों, जानवरों, वनस्पतियों और जीवों पर विकिरण के प्रभाव से संबंधित मुद्दों को उठाया। मामला सुनवाई के लिये न्यायमूर्ति सी हरिशंकर के पास आया, जिन्होंने मामले को दो जून को सुनवाई के लिए दूसरी पीठ के समक्ष स्थानांतरित कर दिया। चावला ने कहा कि यदि दूरसंचार उद्योग की योजनाएं पूरी होती हैं,तब पृथ्वी पर कोई भी व्यक्ति, कोई जानवर, कोई पक्षी, कोई कीट और कोई भी पौधा इसके प्रभाव से नहीं बचेगा।

फिर गंगा नदी में बहते हुए मिले 6 शव

फतेहपुर, (एजेंसी)। कोविड से जान गंवाने वाले न जाने कितनों के अपने उनका अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे हैं। फतेहपुर गंगा में एक बार फिर इंसानी शवों को तैरते देखा गया है, फिर जिनका अंतिम संस्कार प्रशासन द्वारा करवाया गया है। फतेहपुर सदर तहसील के एसडीएम प्रमोद झा ने बताया कि ऐसे छः शवों का अंतिम संस्कार प्रशासन द्वारा करवाया गया है जो गंगा में बहते हुए मिले थे। एसडीएम प्रमोद झा ने बताया कि उन्हें बताया गया था कि नदी में कुछ शव बह रहे हैं। इसके बाद एक ऑपरेशन लॉन्च किया गया। जिसके बाद छः शव नदी से प्राप्त हुए।

इटावा लायन सफारी में दोनों शेरनियों ने कोरोना को दी मात

इटावा, (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के इटावा में लायन सफारी की दो शेरनी गौरी और जेनिफर ने कोरोना से जंग जीत ली है। दरअसल गौरी शेरनी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जिले गोरखपुर में बने पार्क के लिए भेजा जाना प्रस्तावित है। लेकिन कोरोना संक्रमित होने पर डॉक्टर गौरी और जेनीफर को बचाने में जी जान से जुट थे। देश भर के नामी विशेषज्ञों की निगरानी में चल रहे इलाज के बीच दोनों शेरनियों कोरोना संक्रमण से मुक्त हो चुकी है, लेकिन पूरी तरह से दुरूस्त होने मे अभी भी लंबा समय लगेगा। इसके बाद इन दोनों शेरनी को आइसोलेशन में रखा गया है।

कार्टून

सेंट्रल विस्टा को लेकर झूठ फैलाया जा रहा : हरदीप पुरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने सरकार के सेंट्रल विस्टा को लेकर विपक्ष के हमलों का जवाब दिया। पुरी ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि इस परियोजना को लेकर झूठ फैलाया जा रहा है। कुछ महीनों से एक झूठी कहानी बनाई जा रही है।केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री पुरी ने एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि इसे वैनेटी प्रोजेक्ट बताया गया है यानी इसकी जरूरत नहीं है। पुरी ने कहा कि सेंट्रल विस्टा अगले ढाई तीन सौ बरस के लिए है। वर्तमान संसद भवन सौ बरस पुराना हो चुका है। हेरिटेज बिल्डिंग हैं ये सब, इन्हें बिल्कुल डिस्टर्ब नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेंट्रल विस्टा एवेन्यू और संसद भवन ये दो अलग अलग प्रॉजेक्ट हैं और इसकी जल्दी इसलिए कर रहे हैं कि भारत की 75वीं जयंती हम नए संसद भवन में करना चाहते हैं। बताया कि तय करते समय नए संसद भवन की कीमत 862 करोड़ आंकी गई थी। सेंट्रल विस्टा की लागत 477 करोड़ थी। यानी कुल करीब 1300 करोड़ की बात है। उन्होंने कहा कि भविष्य में सांसदों की संख्या और भी बढ़ने वाली है। इसलिए भी अधिक सीटों वाले संसद भवन की जरूरत है। सेंट्रल विस्टा परियोजना में एक नई संसद, प्रधान मंत्री और उपराष्ट्रपति के आवास, एक केंद्रीय सचिवालय और कई अन्य भवनों का निर्माण शामिल है। एक बार पूरा होने के बाद, क्षेत्र में सरकारी कर्मचारियों की आबादी वर्तमान में 57,000 से 10-15% बढ़ने की उम्मीद है। केंद्रीय लोक

निर्माण विभाग ने हाल ही में कहा था कि नए भवनों में कम से कम 16,000 कारों की पार्किंग होगी और नई सर्विस रोड मुख्य सड़कों पर यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि सभी पेटिशन को मिलाकर सुप्रीम कोर्ट ने भी सुना। ये कहा जा रहा है कि ये बीस हजार करोड़ का प्रॉजेक्ट है, इसे छोड़ कर वैक्सीन देना चाहिए। ये बीस हजार करोड़ का आंकड़ा मनगढ़ंत है और वैक्सीन की उपलब्धता समस्या हो सकती है लेकिन पैसे की तो कोई समस्या नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि महामारी के बहुत पहले ही प्रोजेक्ट पर फैसला ले लिया गया था। पुराना संसद भवन सेसमिक जोन 2 में आता था जबकि अब ये सेसमिक जोन 4 में आएगा। दिल्ली हाईकोर्ट में काम रोकने की पेटिशन भी फाइल हुई जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। पुरी ने आगे कहा कि हम सेंट्रल विस्टा और संसद भवन का काम रोक देंगे तो किसका फायदा होगा लेबरों को पैसा भी ठेकेदार नहीं दे पाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की सेंट्रल विस्टा निर्माण पर रोक लगाने वाली याचिका, 1 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की उच्च न्यायालय ने सेंट्रल विस्टा निर्माण पर रोक लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सेंट्रल विस्टा निर्माण बड़ी सार्वजनिक हित की योजना है। इसे रोका नहीं जा सकता है। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाया और कहा कि प्रोजेक्ट को रोकने के लिए जबरन याचिका दाखिल की गई है। इसके साथ की अदालत ने याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपए का भारी जुमार्ना भी लगाया है। इस याचिका पर मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने सुनवाई की। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान चल रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने की याचिका में मांग की गई थी। जिसे अदालत ने खारिज कर दिया है।

ऐसा हो गया तो तीसरी लहर नहीं आएगी: कोविड-19 टास्क फोर्स के चेयरमैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना कर्फ्यू के चलते ही देश में कोविड के मरीजों की संख्या में जबरदस्त कमी आई है। अगर ऐसे ही मरीजों की संख्या में कमी आती रही और एक दिन यह संख्या 20 से 25 हजार मरीज प्रतिदिन पर आकर टिक गई तो देश में कोरोना की न तीसरी लहर आएगी न कोई चौथी लहर आएगी। कोरोना पर नजर रखने वाली टीम के सदस्यों का कहना है फिर जैसे अन्य दूसरी बीमारियों का प्रकोप आता है उसी प्रकार से कोरोना का भी हाल होगा। इसलिए कोविड-19 पर नजर रखने वाली टास्क फोर्स ने केंद्र सरकार और अन्य जिम्मेदार महकमों के अधिकारियों को सलाह भी दी है कि हमें ऐसी ही व्यवस्थाएं लागू कर ज्यादा से ज्यादा संक्रमण को रोकना होगा। पश्चिमी देशों में कोविड-19 के संक्रमण को लॉकडाउन और वैक्सीनेशन के माध्यम से ही सबसे ज्यादा प्रभावकारी तरीके से रोका गया।

देश में कोविड-19 टास्क फोर्स के चेयरमैन डॉक्टर एनके अरोड़ा का कहना है कि हमें अब बहुत ज्यादा सावधानी और बहुत बेहतर योजना के साथ आगे बढ़ना होगा। उनका कहना है अगर हमने इन्हें अपना लिया तो देश में कोरोना की तीसरी और चौथी लहर आएगी और न ही चौथी लहर। इसके पीछे का तर्क देते हुए डॉ एनके अरोड़ा कहते हैं कि हमें इस वक्त के पूरे प्रोटोकॉल को अगले कुछ समय तक फॉलो करना ही पड़ेगा। इस प्रोटोकॉल में कोरोना कर्फ्यू और वैक्सीनेशन, ये दो सबसे महत्वपूर्ण हैं। डॉक्टर अरोड़ा का कहना है पश्चिमी देशों में कोरोना पर काबू पाने की सबसे प्रमुख वजहों में लॉकडाउन और ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण ही रहा। उनका कहना है कि हम अगर बीते दो से तीन हफ्ते के आंकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे कि कोरोना संक्रमित मरीजों का ग्रोथ रेट कम होने लगा है। निश्चित तौर पर यह व्यवस्था बहुत लाभकारी है।

कोविड-19 टास्क फोर्स के चेयरमैन डॉक्टर एनके अरोड़ा का कहना है कि इस बार के कोरोना कर्फ्यू को अगर हम पिछले साल लगाए गए लॉकडाउन से तुलना करते हैं तो यह उतना ज्यादा कठोर नहीं था। बावजूद इसके मामलों में कमी आई। इसकी वजह वैक्सीनेशन भी है। अरोड़ा का कहना है कि कई राज्यों ने इस बार इंडस्ट्रीज को चलने दिया और लोगों की रोजी-रोटी न जाए इसके लिए शुरूआती दौर में सिर्फ वीकेंड लॉकडाउन लगाया गया। कुछ राज्यों में दुकानों के खुलने की टाइमिंग भी तय की गई।

डॉक्टर अरोड़ा का कहना है कि कोरोना कर्फ्यू लगाना राज्य सरकारों का काम है। मैं यह इसलिए बता रहा हूं कि ऐसी व्यवस्थाएं कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकती हैं। डॉक्टर अरोड़ा का कहना है कि इस वक्त का जो कोरोना कर्फ्यू है वह सबसे आइडियल कर्फ्यू माना जाएगा। धीरे-धीरे इसमें छूट देकर कोविड के मामलों को भी जांचा जाएगा। वह कहते हैं कोरोना के मामलों का कम और ज्यादा होना देश में होने वाले लॉकडाउन और टीकाकरण की व्यवस्था से ही आंका जाएगा। पश्चिमी देशों में कोरोनावायरस से कम होने की सबसे प्रमुख वजहों में लॉकडाउन और टीकाकरण की व्यवस्था रही।

डॉक्टर एनके अरोड़ा कहते हैं कि इस्त्राइल, अमेरिका और यूके जैसे देशों ने जब अपने देश में मास्क हटाने की बात कही, तो उसके पीछे सबसे बड़ा कारण यही था कि उनके देश की अच्छी खासी आबादी में टीकाकरण हो चुका था। इसके अलावा जिन देशों में टीकाकरण अभियान बहुत तेज था उन देशों में लॉकडाउन जैसी व्यवस्था भी लगातार बनी हुई थी।

सरकार की सख्ती के बाद झुका ट्विटर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार से लंबे टकराव के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर ने आखिर नए आईटी नियमों को लागू करने का फैसला लिया है। ट्विटर की ओर से सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट को यह जानकारी दी गई है। ट्विटर ने उच्च न्यायालय को बताया कि उसने आईटी रूल्स, 2021 को लागू कर लिया है और भारत में एक स्थानीय अधिकारी नियुक्ति भी 28 मई से कर दी है, जो स्थानीय शिकायतों का निपटारा करेगा। हाई कोर्ट में जहां ट्विटर ने कहा कि हमने केंद्र के कानूनों को माना है, वहीं सरकार ने कहा कि ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार द्वारा जारी नए सूचना प्रौद्योगिकी नियमों का पालन नहीं किए जाने पर सोशल मीडिया नेटवर्क ट्विटर के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में बीते हफ्ते याचिका दाखिल की गई थी। याचिका में ट्विटर को तत्काल प्रभाव से सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन करने का आदेश देने की मांग की गई थी। वकील अमित आचार्य ने याचिका में कहा था कि केंद्र सरकार ने इसी साल 25 फरवरी को नए सूचना प्रौद्योगिकी नियमों को जारी करते हुए ट्विटर सहित सभी सोशल मीडिया नेटवर्कों को 3 माह के भीतर इस पर अमल करने का निर्देश दिया था। 25 मई

को समय सीमा समाप्त होने के बाद भी ट्विटर ने अब तक अपने प्लेटफॉर्म पर ट्वीट के बारे में शिकायतों के निवरण के लिए स्थानीय शिकायत अधिकारी की नियुक्ति नहीं की है। सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थों और डिजिटल मीडिया आचार संहिता के लिए दिशानिर्देश) नियम, 2021 को केंद्र सरकार ने 25 फरवरी, 2021 को अधिसूचित किया था। इसके तहत सोशल मीडिया नेटवर्कों को इस बात का पता लगाना होगा कि कोई मैसेज सबसे पहले किसने भेजा। इसके साथ ही किसी पोस्ट, मैसेज के बारे में शिकायतों का निवारण के लिए स्थानीय शिकायत अधिकारी नियुक्त करने को कहा है।

स्वतंत्रता मीडिया के अधिकारों के संदर्भ में राजद्रोह कानून की व्याख्या की समीक्षा करेगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह विशेषकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मीडिया के अधिकारों के संदर्भ में राजद्रोह कानून की व्याख्या की समीक्षा करेगा। न्यायालय ने कथित राजद्रोह को लेकर दो तेलुगू समाचार चैनलों के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई पर सोमवार को रोक लगा दी। दरअसल वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के बागी सांसद के रघु राम कृष्ण राजू के आपत्तिजनक भाषण प्रसारित करने के कारण आंध्रप्रदेश पुलिस ने दोनों चैनलों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किया है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की तीन सदस्यीय विशेष पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों- 124ए (राजद्रोह) और 153 (विभिन्न वर्गों के बीच कटुता को बढ़ावा देना) की व्याख्या की जरूरत है, खासकर प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दे पर।

न्यायालय ने प्राथमिकी के संबंध में आंध्र पुलिस को इन चैनलों और उनके कर्मचारियों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। पीठ ने चैनलों की याचिकाओं पर राज्य सरकार से चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। इन चैनलों के खिलाफ राजद्रोह सहित विभिन्न अपराधों के लिए आरोप लगाए गए हैं। दोनों मीडिया हाउस ने आंध्रप्रदेश में राजद्रोह के मामले में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध करते हुए हाल में शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी मीडिया हाउस ने दावा किया कि यह प्रयास राज्य में समाचार चैनलों को डराने का एक प्रयास है ताकि वे सरकार की आलोचना वाली सामग्री को दिखाने से बचें। समाचार चैनल की स्वामी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि राज्य ऐसी भ्रामक प्राथमिकी दर्ज कर और कानून का दुरुपयोग कर अपने आलोचकों और मीडिया का मुंह बंद करना चाहता है।

टीवी चैनल के खिलाफ प्राथमिकी का संबंध सांसद राजू के विरूद्ध दर्ज राजद्रोह के मामले से है जिन्हें पहले ही आंध्रप्रदेश पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। चैनलों ने दावा किया कि यह प्राथमिकी राजू के बयानों को दिखाने के कारण दर्ज हुई है, जो अपनी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के आलोचक रहे हैं। चैनलों ने आंध्र प्रदेश प्राधिकार को अपने खिलाफ दर्ज मामले के संदर्भ में चैनलों के प्रबंधन और कर्मचारियों के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

बंगाल के मुख्य सचिव अलापन बंद्योपाध्याय ने लिया रिटायरमेंट, ममता के मुख्य सलाहकार बने

कोलकाता । केंद्र और ममता सरकार में जारी टकराव के बीच नाटकीय घटनाक्रम में बंगाल के मुख्य सचिव अलापन बंद्योपाध्याय ने सोमवार को रिटायरमेंट ले लिया। ममता ने उन्हें अपना मुख्य सलाहकार नियुक्त किया है। 31 मई को ही उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा था, लेकिन राज्य सरकार के अनुरोध पर कुछ दिन पहले ही केंद्र ने बंद्योपाध्याय को तीन महीने का सेवा विस्तार दिया था। इस बीच, यास चक्रवात के बाद 29 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बंगाल दौरे के दौरान बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व मुख्य सचिव के आधे घंटे देरी से पहुंचने के कुछ घंटे बाद ही केंद्र ने बंद्योपाध्याय को वापस दिल्ली बुलाने का आदेश जारी कर दिया और 31 मई की सुबह 10 बजे तक उन्हें रिपोर्ट करने का निर्देश दिया, लेकिन वे नहीं गए।

हरिकृष्ण द्विवेदी बने मुख्य सचिव

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर इस निर्णय को असंवैधानिक बताते हुए पहले ही साफ कर दिया कि वह मौजूदा परिस्थिति में मुख्य सचिव को रिलीव (कार्यमुक्त) नहीं करेंगे। इसको लेकर केंद्र के साथ काफी टकराव बढ़ गया था। इस बीच, बंद्योपाध्याय ने सेवा विस्तार की बजाय सोमवार को रिटायरमेंट लेने का फैसला किया।

वहीं, मुख्य सचिव को केंद्र द्वारा वापस बुलाने के निर्णय के बाद प्रतिष्ठा की इस लड़ाई के बीच ममता ने बंद्योपाध्याय को अपना मुख्य सलाहकार नियुक्त कर दिया है। ममता ने खुद इसकी जानकारी देते हुए मुख्य सचिव के तबादले के निर्देश पर केंद्र की आलोचना करते हुए कहा कि अलापन बंद्योपाध्याय ने सोमवार को रिटायरमेंट लेने का निर्णय किया है। वह उनके मुख्य सलाहकार होंगे, जबकि वर्तमान गृह सचिव हरिकृष्ण द्विवेदी राज्य के मुख्य सचिव होंगे। वह बंद्योपाध्याय की जगह लेंगे। वहीं, बीपी गोपालिका को नया गृह सचिव बनाया गया है। अलापन की नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है और उन्हें मासिक 2.5 लाख रुपये वेतन मिलेंगे।

वहीं, ममता ने इस घटनाक्रम को लेकर केंद्र पर हमला बोलते हुए सभी सभी राज्यों और नौकरशाहों से तानाशाही रवैये के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्टालिन की तरह काम कर रही है। वे लोग हमें तंग करते हैं, लेकिन उनका हौसला नहीं तोड़ पाएंगे। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। ममता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार केवल प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। यह इस कारण किया है कि क्योंकि बंगाल की जनता ने भाजपा को खारिज कर दिया है। ममता ने कहा कि मुख्य सचिव राज्य के सबसे बड़े नौकरशाह है। 74 साल की स्वतंत्रता में कभी भी ऐसा नहीं हुआ था। केंद्र सरकार द्वारा दिए गए पत्र में यह नहीं बताया गया था कि वह क्यों ज्वाइन करेंगे ? यह प्रतिशोधमूलक आचरण है। इतना निर्मम पीएम और केंद्रीय गृह मंत्री को नहीं देखा है। मोदी सरकार संघीय व्यवस्था और प्रजातंत्र को नष्ट करना चाहती है। बता दें कि इसके पहले ममता ने पीएम को पत्र लिखकर अलापन बंद्योपाध्याय के तबादले पर पुनर्विचार करने की मांग की थी और इस निर्णय को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित करार दिया था।

गौरतलब है कि बंगाल काडर के 1987 बैच के वरिष्ठ आइएएस अधिकारी बंद्योपाध्याय 60 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद 31 मई को रिटायर होने वाले थे। हालांकि, केंद्र से मंजूरी के बाद उन्हें तीन महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। सेवा विस्तार दिए जाने के सिर्फ चार दिन बाद ही केंद्र सरकार ने उनकी सेवाएं मांगी। ममता सरकार से कहा गया कि अपने मुख्ये य सचिव को तुरंत कार्यमुक्त करें। तृणमूल कांग्रेस सरकार ने इस कदम को जबरन प्रतिनियुक्ति करार दिया है। बंद्योपाध्याय को 31 मई की सुबह 10 बजे तक केंद्र सरकार को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया था। मगर मुख्ेयमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम को चिट्ठी लिखकर कहा कि ऐसे मुश्े किल समय में बंगाल सरकार अपने मुख्ेय सचिव को कार्यमुक्े त नहीं कर सकती। ममता ने केंद्र के इस फैसले को वापस लेने, पुनर्विचार करने और आदेश को रद करने का अनुरोध किया था।

बंगाल के नए मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हरिकृष्ण द्विवेदी पश्चिम बंगाल कैडर के 1988 बैच के आइएएस अफसर हैं। इससे पहले वे राज्य के गृह सचिव का पदभार संभाल रहे थे।

आंध्र प्रदेश सरकार ने आयुर्वेदिक वितरण मिश्रण के लिए दिया ग्रीन सिग्नल

हैदराबाद । आंध्र प्रदेश सरकार ने आयुर्वेदिक वितरण के लिए ग्रीन सिग्नल दे दिया, लेकिन इसमें आइ ड्रोप शामिल नहीं होगा। नेल्लोर जिले के कृष्णागिरी गांव के लिए यह निर्णय लिया गया है, जो कि बोनिगी आनंदैया, आयुवैर्दिक व्यवसायी द्वारा बनाई गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा यह जानकारी दी गई है।

बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए आंध्र प्रदेश में 10 जून तक कर्फ्यू को बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने इसका एलान किया है। बता दें कि इससे पहले देश के कई राज्यों में लॉकडाउन और कर्फ्यू की समय-सीमा को बढ़ाया गया है। अधिकतर राज्यों में 8 जून तक की लॉकडाउन बढ़ाया गया है। हालांकि, दिल्ली में लॉकडाउन बढ़ाने के साथ ही अनलॉक प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालाय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटों में कोरोना वायरस के 1,52,734 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 3,128 लोगों की कोरोना संक्रमण के कारण मौत भी सामने आई है। कोरोना वायरस संक्रमण की बात करें देश में बीते 24 घंटों में कोरोना से 2,38,022 लोग ठीक हुए हैं। इसको मिलाकर देश में अब तक कुल 2,56,92,342 लोग कोरोना से उबर चुके हैं। इससे रिकवरी दर बढ़कर 91.60त हो गई है। इसके साथ ही देश में कोरोना के सक्रिय मामले भी कम हो रहे हैं

न्यूजीलैंड में एक व्यक्ति बाढ़ग्रस्त इलाके से अपना सूटकेस लेकर निकलते हुए।

भिखारी पाकिस्तान को ड्रैगन ने दिया झटका, लोन को माफ करने से इंकार

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान को अपना करीबी बताने वाले चीनी ड्रैगन की पोल खुलती नजर आ रही है। कंगाली की हालत से गुजर रहे पाकिस्तान ने चीन से अपने 3 अरब डॉलर के कर्ज को पुनर्गठित करने का अनुरोध किया था। लेकिन चीन ने पाकिस्तान के अनुरोध को खारिज कर दिया है। दरअसल, पाकिस्तान चाहता था कि चीन सीपीईसी के तहत बने ऊर्जा प्रॉजेक्ट के लिए दिए गए लोन को माफ कर दे।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में बने ऊर्जा प्लांट पर चीन ने करीब 19 अरब डॉलर का निवेश किया है। चीन ने पाकिस्तान के ऊर्जा खरीद पर हुए समझौते को पुनर्गठित करने के अनुरोध को खारिज कर कहा कि कर्ज में किसी भी राहत के लिए चीनी बैंकों को अपने नियम और शर्तों में बदलाव करना होगा। चीनी बैंक पाकिस्तान सरकार के साथ पहले हुए समझौते के किसी भी शर्त को बदलने के लिए तैयार नहीं हैं।

उधर पीएम इमरान की पार्टी पीटीआई के सीनेटर और उद्योगपति नौमान वजीर ने कहा कि नैशनल इलेक्ट्रिक पॉवर रेगुलेटरी अथॉरिटी ने जिस समय निजी क्षेत्र को ऊर्जा उत्पादन की अनुमति प्रदान की थी, उस समय टैरिफ बहुत ज्यादा रखा गया। उन्होंने कहा कि इसका खुलासा पाकिस्तान के पॉवर सेक्टर को लेकर हुए एक जांच में हुआ। वहीं कर्ज के बोझ के तले दबे पाकिस्तान के डफिाल्ट होने का खतरा मंडरा रहा है।

पाकिस्तान पर 30 दिसंबर 2020 तक कुल 294 अरब डॉलर का कर्ज था जो उसकी कुल जीडीपी का 109 प्रतिशत है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कर्ज और जीडीपी का यह अनुपात वर्ष 2023 के अंत तक 220 फीसदी तक होगा है। यह वहीं साल है, जब इमरान खान सरकार के पांच साल पूरे हो जाएंगे। इमरान खान ने सत्ता संभालने से पहले चुनाव प्रचार में वादा किया था कि वह एक नया पाकिस्तान बनाएंगे जो दुनिया से कर्ज के लिए भीख नहीं मांगेगा। अपने दावे से उलट इमरान पाकिस्तान को कर्ज के जाल में फंसा चुके हैं। इसी वजह से वह अब विपक्षी दलों के निशाने पर भी हैं। पाकिस्तान पीपुल्प पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री इमरान पर जोरदार हमला कर कहा कि प्रधानमंत्री इमरान भीख मांगने का कटोरा लेकर दुनिया की चौखट पर घूम रहे हैं और पूरे पाकिस्तान की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इमरान ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय कर्जदाता देशों और संगठनों का गुलाम बना दिया है। बिलावल ने कहा कि इमरान के कदम से देश का भविष्य दांव पर लग गया है। पीपीपी नेता ने कहा, पीएम इमरान भीख मांगने का कटोरा लेकर वॉशिंगटन, रियाद, दुबई और पेइचिंग जा रहे हैं। इससे देश की प्रतिष्ठा बर्बाद हो गई है। उन्होंने कहा कि इमरान कर्ज लेकर देश की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं जिससे कई पीढ़ियों के लिए खतरा पैदा हो गया है। पीपीपी नेता बिलावल ने कहा कि वर्ष 2021 में ही इमरान खान ने 10 अरब डॉलर का लोन लिया है जिससे कुल कर्ज 35 फीसदी बढ़ गया है। इमरान खान के कार्यकाल में पाकिस्तान का बाहरी कर्ज 95 अरब डॉलर से बढ़कर 116 अरब डॉलर हो गया है।

धारा 370 के झटके से उबर नहीं पा रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि भारत कश्मीर में अगस्त 2019 से पहले की स्थिति बहाल करता है, तो पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। मोदी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को खास दर्जा देने वाले आर्टिकल 370 को हटा दिया था। साथ ही जम्मू-कश्मीर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी बांट दिया था। दोनों को ही केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। हालांकि, जम्मू-कश्मीर को विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। भारत साफ कह चुका है कि जम्मू-कश्मीर उसका अभिन्न हिस्सा है। उसके बावजूद पाकिस्तान की ओर से ऐसे बयान आते रहे हैं। भारत ने कहा है कि आतंकवाद और दुश्मनी से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। भारत और पाकिस्तान के संबंधों में कड़वाहट 2016 में पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद से आनी शुरू हो गई थी। उसके बाद से पाकिस्तान के आतंकियों की ओर से बार-बार भारतीय सेना पर हमले किए गए। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने एलओसी पार कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात भी बन गए थे। उसके बाद जब अगस्त 2019 में भारत ने जम्मू-कश्मीर को खास दर्जा देने वाले आर्टिकल 370 को हटा दिया तो उसके बाद संबंध और बिगड़ गए। पाकिस्तान ने यूएन समेत कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर राग अलापा, लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि कश्मीर उसका आंतरिक मसला है।

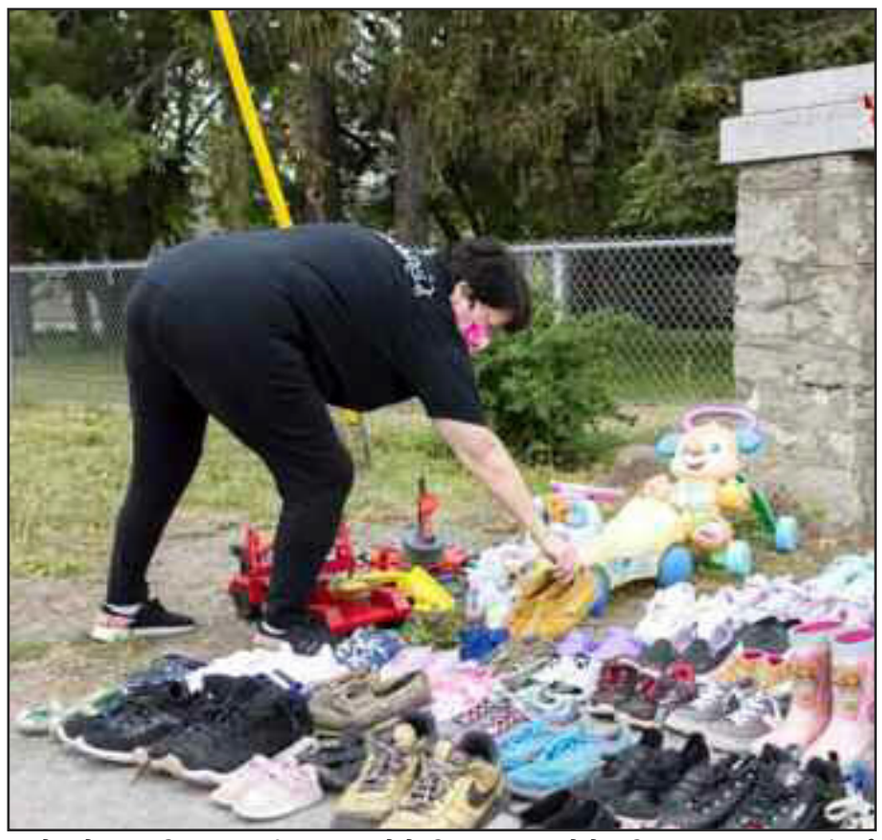

क्यूबेक में एक महिला रहवासी स्कूल हादसे के शिकार हुए बच्चों के प्रति सम्मान प्रकट करती हुई।

नाइजीरिया में अंधाधुंध गोलीबारी, स्कूल से करीब 200 छात्र अगवा

लागोस, (एजेंसी)। नाजीरिया के उत्तरी राज्य नाइजर स्टेट में सालिहू टैंको इस्लामिक स्कूल से करीब 200 छात्रों को अगवा कर लिया गया, इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। नाइजीरिया के मीडिया संगठनों और चैनलों की खबरों में अपहृत बच्चों की संख्या 200 बताई गई है। नाइजर स्टेट पुलिस प्रवक्ता वासीयू अबिओदुन ने अपहृत बच्चों की संख्या नहीं बताई। हालाकि उन्होंने कहा, इस घटना को हथियारबंद लोगों ने अंजाम दिया, जो मोटरसाइकिल पर सवार थे।

अबिओदुन ने बताया कि हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी की और बड़ी संख्या में बच्चों को अगवा कर लिया। उन्होंने बताया कि इस बीच उन लोगों ने एक व्यक्ति को गोली भी मार दी। उन्होंने बताया कि बच्चों को बचाने के लिए बचाव दलों को भेजा गया है और पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे। स्कूलों से बच्चों को अगवा करने की घटनाएं यहां बार-बार हो रही हैं, जिसके कारण कई स्कूलों को बंद भी करना पड़ा है।

फिलहाल यह पता लगाना बहुत मुश्किल वैक्सीन लगवा चुके लोग नहीं फैलाएंगे कोरोना का संक्रमण

नैशविले, (एजेंसी)। जब अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने 13 मई 2021 को मास्क पहनने के बारे में अपने दिशा निदेर्शों में बदलाव किया, तो कई अमेरिकियों मे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। टीका लगवा चुका कोई व्यक्ति, किसी स्थान के भीतर या बाहर, बड़े या छोटे कार्यक्रमों में बिना मास्क पहनने या सामाजिक दूरी का पालन किए भाग ले सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि संक्रामक रोग के खिलाफ रक्षा करने वाले टीके विषाणु को फैलाने की दर निश्चित रूप से कम करेंगे। लेकिन अभी यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि टीका लगवा चुका व्यक्ति कोरोना का संक्रमण नहीं फैला रहा है।

राष्ट्रपति जो बाइडन के मुख्य चिकित्सा सलाहकार एंथनी फाउची ने कहा नए दिशा निर्देश विज्ञान के विकास पर आधारित हैं और अमेरिका की तकरीबन दो तिहाई आबादी के लिए एक प्रोत्साहन के तौर पर काम करते हैं, जिन्हें अभी तक टीका नहीं लगा है। पहले से ही बीमार चल रहे कुछ लोगों को टीका नहीं लगाया जा सकता । कैंसर या अन्य बीमारियों के कारण कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग टीका लगाने से भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो सकते हैं। 12 से 15 साल की आयु के बच्चे 10 मई 2021 से फाइजर-बायोटेक का टीका लगवा सकते हैं। साथ ही अमेरिका में 12 साल से कम की आयु के करीब पांच करोड़ बच्चों के लिए अभी तक कोविड-19 रोधी किसी भी टीके को स्वीकृति नहीं मिली है। टीका लगवाने से जरूरी नहीं कि हर बार संक्रमण से रक्षा हो। शोधकताओं ने कोविड-19 रोधी सुरक्षित टीके बनाने की उम्मीद जताई जिससे टीका लगवा चुके कम से कम आधे लोगों को कोविड-19 नहीं हो।

अच्छी बात यह है कि टीके उम्मीद से भी बेहतर साबित हुए हैं। उदाहरण के लिए इजराइल के 16 साल और उससे अधिक आयु के 65 लाख निवासियों को लगाया फाइजर-बायोटेक एमआरएनए कोविड-19 रोधी टीका 95.3 प्रतिशत प्रभावी पाया गया। टीका निमार्ता अकसर उम्मीद कररते हैं कि बीमारी से बचाने के अलावा उनके टीके रोगाणु रहित प्रतिरक्षा हासिल करेंगे। रोगाणुरहित प्रतिरक्षा का मतलब है कि टीका लगवा चुका व्यक्ति कभी विषाणु के संपर्क में नहीं आएगा या न ही इसका आगे प्रसार करेगा।

उदाहरण के लिए पोलियो की दवा पोलियो विषाणु को मनुष्य के शरीर में बढ़ने से पूरी तरह नहीं रोकती, लेकिन यह इस बीमारी की रोकथाम में अत्यधिक प्रभावी है क्योंकि इससे ऐसे एंटीबॉडी बनते हैं जो विषाणु को मस्तिष्क तथा मेरुदण्ड को संक्रमित करने से रोकते हैं। वैज्ञानिक रोग प्रतिरोधक क्षमता के स्थायित्व का भी आकलन कर रहे हैं जो कोविड-19 रोधी टीकों से मिल रही हैं और शरीर में कहां पर ये असर कर रही हैं प्रतिरक्षा विज्ञानियों को उम्मीद है कि संक्रामक रोग के खिलाफ रक्षा करने वाले टीके विषाणु को फैलाने की दर भी कम करेंगे, लेकिन यह पता लगाना निश्चित तौर पर मुश्किल है कि क्या टीका लगवा चुका व्यक्ति इस विषाणु को नहीं फैला रहा है।

चीनी आर्मी के लिए काम कर रही थी वुहान लैब, अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री का दावा

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। पूरी दुनिया इस बात का पता लगाने में जुटी हुई है कि क्या कोरोना चीन के वुहान लैब से निकला हुआ एक वायरस है। कोरोना को लेकर चल रहे इस मंथन के बीच अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी अपनी सिविलियन रिसर्च के साथ-साथ सैन्य गतिविधियों में भी शामिल रहा था।

पोम्पिओ का यह बयान इस लिए भी ज्यादा अहमियत रखता है क्योंकि कोरोना वायरस की उत्पत्ति के दावे की नए सिरे से जांच शुरू कर दी गई है। पोम्पिओ ने कहा चीन की वुहान लैब पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि लैब में नागरिक शोध के नाम पर सैन्य गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था।

उन्होंने कहा उस वक्त चीन से इस संबंध में जानकारी भी मांगी गई थी लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया था। जब विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम ने वहां जाने की कोशिश की तो चीन ने इसकी भी अनुमति देने से इनकार कर दिया।

बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी पर खतरा, विपक्षी दल हुए एकजुट

तेलअवीव, (एजेंसी)। हमास के साथ जंग रोककर विवादों में आए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी पर खतरा बढ़ गया है। नेतन्याहू को सत्ता से बेदखल करने के लिए इजरायल के विपक्षी दल साथ आ गए हैं। इजरायल के राष्ट्रवादी नेता नफ्ताली बेनेट ने घोषणा की हैं कि वह गठबंधन सरकार में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद देश के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले प्रधानमंत्री नेतन्याहू का शासन काल खत्म हो सकता है। बेनेट ने अपनी पार्टी की बैठक में कहा, मैं अपने मित्र यैर लेपिड के साथ मिलकर एकता सरकार बनाने के लिए सबकुछ करूंगा ताकि ईश्वर की इच्छा से हम दोनों मिलकर देश को एक अनियंत्रित गिरावट से रोक सकें। साथ ही इजरायल को वापस रास्ते पर लाएंगे। लैपिड को नई सरकार बनाने का कार्यभार दिया गया है। इससे पहले दोनों ही नेताओं को एक डील पर सहमति जतानी होगी।

माना जा रहा है कि दोनों नेता बारी-बारी से दो-दो साल तक पीएम रह सकते हैं। बेनेट की घोषणा के साथ ही करीब 12 साल से सत्ता पर काबिज नेतन्याहू के शासन के खत्म होने की अटकलें लगाने लगी हैं। बेनेट पहले नेतन्याहू के सहयोगी थे, लेकिन बाद में वे विरोधी हो गए। उन्होंने कहा कि इजरायल को दो साल में लगातार पांचवीं बार चुनाव से बचाने के लिए यह फैसला लिया है। उधर, विरोधियों के एकजुट होने पर नेतन्याहू भड़क उठे हैं। उन्होंने इस गठबंधन को सदी का सबसे बड़ा धोखा करार दिया है। नेतन्याहू ने कहा, देश में एक भी ऐसा शख्स नहीं है, जो बेनेट को वोट देगा। यह सदी का सबसे बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा कि गठबंधन के बाद वामपंथी दल सत्ता में आए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार के बनने पर इजरायल कमजोर होगा। नेतन्याहू ने दावा किया कि देश में अभी भी दक्षिणपंथी सरकार संभव है।

यूएई ने भारत से आने वाली यात्री उड़ानों पर 30 जून तक लगाई रोक

दुबई, (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने रविवार को कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर भारत से आने वाली यात्री उड़ानों पर रोक को 30 जून तक बढ़ा दिया है। भारत में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बाद 25 अप्रैल को उड़ानों पर रोक लगायी गई थी। यूएई की वायुसेवा प्रदाता एमिरेट्स ने रविवार को अपनी वेबसाइट पर जारी संदेश में कहा कि उसने भारत से आने वाली यात्री उड़ानों पर जारी रोक को 30 जून तक बढ़ा दिया है। इससे पहले 14 जून तक यात्री उड़ानों पर रोक की घोषणा की गई थी।

भारत के डीजीसीए ने भी पिछले दिनों जानकारी दी थी किकोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर लगाई गई रोक को 30 जून तक के लिए बढ़ा दिया गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने कहा था बहरहाल, सक्षम प्राधिकरण हर मामले पर गौर करते हुए चयनित मार्गों पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अनुमति दे सकते हैं।

भारत में कोविड-19 महामारी के कारण 23 मार्च 2020 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित कर दिया गया था लेकिन मई 2020 से वंदे भारत अभियान और जुलाई 2020 से चयनित देशों के बीच द्विपक्षीय एयर बबल व्यवस्था के तहत विशेष अंतरराष्ट्रीय विमान उड़ान भर रहे हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गर्मी से राहत पाने के लिए एक तालाब में नहाते हुए लोग।

कैंटरबरी क्षेत्र में बाढ़ के बाद स्टेट इमरजेंसी की घोषणा, बचाव में जुटी सेना और हेलीकॉप्टर

वेंलिंगटन, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कैंटरबरी क्षेत्र में हुई तेज बारिश व आई बाढ़ के बाद सैकड़ों लोगों को वहां से हटाकर हैलीकाप्टर से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने यहां पर स्टेट इमरजेंसी की घोषणा की है। यहां के कुछ इलाकों में तो 40 सेंटीमीटर से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग ने शाम तक इलाके में तेज बारिश की चेतावनी भी जारी की है। शाम के बाद हालात में कुछ सुधार की संभावना है। जानकारी के मुताबिक बाढ़ से बचने के लिए एक शख्स पेड़ पर चढ़ गया था, लेकिन बाद में तैरकर पार होने की उम्मीद में उसने पानी में छलांग लगा दी वो तेज बहाव में बह गया। सेना के हेलीकॉप्टर ने इस शख्स के लिए करीब 30 मिनट से अधिक समय तक अभियान चलाया, तब कहीं जाकर उसकी जान बचाई जा सकी।

आर्मी के लाएजन ऑफिसर केप्टन जेक फैबर ने बताया है कि पूरी रात लोग खुद को बचाए जाने और सुरक्षित जगहों पर पहुंचने का इंतजार करते रहे। पूरी रात लोगों को बचाने का अभियान जारी रहा। बाढ़ की वजह से कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है, जो बेहद दुखदायी है। उन्होंने बताया कि एक सिविलियन हेलीकॉप्टर पायलट ने भी एक व्यक्ति को बचाया है। ये व्यक्ति बचने के लिए हाथ-पांव मार रहा था। पायलट ने उसका हाथ खींचकर उसकी जान गंवाई। पॉल एडम ने बताया है कि वो पानी के तेज बहाव से बहे जा रहे थे। बाद में वो एक फैंस को पकड़ने में कामयाब रहे। इसके बाद वो एक पेड़ को पकड़कर अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। एक दूसरे व्यक्ति ने अपनी जान हैडलैंप के जरिए बचाई। बाद में उसको रेस्क्यू कर लिया गया है। एडम ने खुद को बचाने वाले बचावकर्मी की जमकर तारीफ भी की है। उन्होंने बताया कि वो अब अच्छा महसूस कर रहे हैं। हालांकि इस बाढ़ में उनकी ज्यादातर भेड़ बह गईं और वो 250 में से 100 को ही वापस पा सके। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, जो न्यूजीलैंड के दौरे पर थे, ने बताया कि वो फिलहाल बाढ़ में फंसे लोगों के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने बताया कि आस्ट्रेलिया के लिए आग, बाढ़ और चक्रवाती तूफान कोई अजीब बात नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दोनों ही देश इन समस्याओं का सामना करते रहे हैं। हाल के कुछ वर्षों में इस तरह की चुनौतियों का सामना दोनों देशों को अधिक करना पड़ा है। न्यूजीलैंड की पीएम जेसिंडा एंड्रन की योजना सोमवार को हालात का जायजा लेने के बाद क्राइस्टचर्च जाने की है।

केजरीवाल ने पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए फ्री वैक्सीनेशन सेंटर की शुरुआत की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज माता सुंदरी रोड स्थित राजकीय सर्वोदय बाल/कन्या विद्यालय में पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए फ्री वैक्सीनेशन सेंटर की शुरूआत की। इस सेंटर पर 18 से 44 और 45 साल से अधिक उम्र के पत्रकार व उनके परिजन वैक्सीन लगवा सकते है और मौके पर पंजीकरण भी कर सकेंगे। सीएम ने कहा कि दिल्ली को स्पूतनिक से वैक्सीन मिलने का भरोसा मिला है। संभवतः जून में वैक्सीन की कुछ डोज मिलने की उम्मीद है। वैक्सीन की कमी पर सीएम ने कहा कि सभी राज्य सरकारें अपनी पूरी कोशिश कर चुकी हैं, लेकिन अभी तक एक भी राज्य अपने स्तर पर एक भी वैक्सीन लाने में सफल नहीं हुआ है। वैक्सीन की खरीद और उत्पादन करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।, केंद्र राज्यों को वैक्सीन दे और अगर हम सही से वैक्सीन न लगाएं, तो हमारी जिम्मेदारी है। हम जितनी जल्दी और जितने ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगा पाएंगे, उतने ही ज्यादा लोगों की जान बचा पाएंगे।

वैक्सीनेशन सेंटर शुरू करने के उपरांत सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज से इस स्कूल में पत्रकारों और उनके परिवार के लोगों के लिए वैक्सीनेशन की व्यवस्था शुरू की जा रही है। कई दिनें से पत्रकारों की तरफ से मांग की जा रही थी कि उनके लिए विशेष व्यवस्था की जाए। मुझे बहुत खुशी है कि आज यह व्यवस्था स्कूल में शुरू की जा रही है। यहां पर 18 से 44 और 45 साल से अधिक उम्र के दोनों श्रेणियों के पत्रकार और उनके परिवार के लोग आकर वैक्सीन लगवा सकते हैं। वैक्सीन लगवाने के लिए मौके पर ही पंजीकरण किया जा सकेगा। मेरी सभी पत्रकारों से अपील है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर सभी लोग वैक्सीन लगवाएं। इस समय वैक्सीन के जरिए ही अपने आप को कोरोना से बचा सकते हैं। दिल्ली में आज से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हुई है। लोगों को ड्यूटी जाने के लिए ई-पास बनवाने में कुछ दिक्कतें आ रही हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी दिक्कतें आएंगी, उसे ठीक किया जाएगा। आज मैने देखा था कि पोर्टल में थोड़ी दिक्कत थी। उसको ठीक कर दिया जाएगा। लोगों से जैसे-जैसे फीडबैक मिलेगा, जिन चीजों में दिक्कत आएगी, हम उसको ठीक करेंगे। सीएम ने कहा कि दिल्ली में ब्लैक फंगस के करीब 944 केस आए हैं। इसमें करीब 300 केस केंद्र सरकार के अस्पतालों में हैं, जबकि करीब 650 केस दिल्ली सरकार के अस्पतालों में हैं, लेकिन इसके टीके की बहुत कमी है। परसों करीब एक हजार टीके आए थे। यह संख्या बहुत कम है, क्योंकि एक दिन में एक मरीज को तीन से चार टीके लगते है। वहीं कल तो कोई टीका नहीं आया है।

सीएम केजरीवाल ने वैक्सीनेशन को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जल्दी-जल्दी वैक्सीन लगाएंगे, तभी लोगों की जान बचेगी। जितनी जल्दी और जितने ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगेगी, उतने ही ज्यादा लोगों की जान बचेगी। हमें तो लोगों को जल्दी से जल्दी वैक्सीन लगानी चाहिए, इसमें गलत क्या है स्पूतनिक की वैक्सीन को लेकर सीएम ने कहा कि उन्होंने जून के महीने में कुछ वैक्सीन देने का भरोसा दिया है। अभी तो वे भी विदेश से वैक्सीन आयात कर रहे हैं और संभवतः अगस्त में उनका उत्पादन शुरू होगा। इस बीच, जितना वो वैक्सीन आयात करेंगे, उसमें से एक हिस्सा दिल्ली को भी देंगे। मुख्यमंत्री ने ग्लोबल टेंडर के जरिए वैक्सीन खरीदने के सवाल पर कहा कि एक से डेढ़ महीने हो गए हैं, जब केंद्र सरकार ने कहा था कि सभी राज्य अपने-अपने स्तर पर वैक्सीन की खरीद करेंगे। देश में 36 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं। सभी ने वैक्सीन खरीदने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर ली है।

मैं किसी एक पार्टी की सरकार की बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि सभी पार्टियों की सभी राज्य सरकारों ने कोशिश करके देख ली है। सभी ने ग्लोबल टेंडर भी कर लिए, लेकिन अभी तक एक भी राज्य अपने स्तर पर वैक्सीन का एक भी टीका लाने में सफल हुआ हो, तो मुझे बताइए। जाहिर तौर पर राज्य सरकारें वैक्सीन को खरीद नहीं सकती हैं। यह काम केंद्र सरकार को करना पड़ेगा। केंद्र सरकार दुनिया भर से वैक्सीन की खरीद करे। साथ ही, देश में वृहद स्तर पर उत्पादन करे और राज्य सरकारों को दे। इसके बाद लोगों को हम वैक्सीन न लगाएं, तो हमारी जिम्मेदारी हैं। हम वैक्सीनेशन की उचित व्यवस्था न करें, तो हमारी जिम्मेदारी है। मुझे लगता है कि वैक्सीन की खरीद करना और उत्पादन करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। इसके बाद केंद्र सरकार राज्यों को वैक्सीन बांटे और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वह लोगों को अच्छी तरह से वैक्सीन लगाए।

सिविल डिफेंस कर्मियों ने रेहड़ी वाले को बुरी तरह पीटा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी में रास्ता मांगने को लेकर कहासुनी में सिविल डिफेंस कर्मियों ने एक रेहड़ी वाले को बेरहमी से पीट दिया। इस दौरान आसपास के लोगों ने पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस अभी वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही थी। इस दौरान रविवार को पीड़ित ने थाने में पहुंचकर मामले की शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें एक युवक को दो सिविल डिफेंस कर्मी वर्दी में पीटते हुए नजर आ रहे हैं। उनके साथ दो अन्य युवक टी शर्ट में भी दिखाई दे रहे हैं, जो सिविल डिफेंस कर्मियों का साथ दे रहे हैं और युवक की चप्पल से पिटाई कर रहे हैं। जबकि युवक रोता हुआ बचाने की गुहार लगा रहा है। मारपीट करने के बाद सिविल डिफेंस कर्मी स्कूटी पर बैठकर चले जाते हैं। वीडियो उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी स्थित जौहरीपुर पुल का बताया गया था। पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच शुरू की। इसी बीच रविवार को पीड़ित युवक 28 वर्षीय अंकित गोकुलपुरी थाने पहुंच गया। उसने पुलिस को मामले की शिकायत दी और बताया कि वह फल की रेहड़ी लगाता है। पीड़ित ने बताया कि शनिवार को सिविल डिफेंस कर्मियों से रास्ता मांगने को लेकर कहासुनी हो गई थी। जिस पर उन्होंने पिटाई कर दी। अंकित शिव विहार का रहने वाला है। पुलिस केस दर्ज कर सिविल डिफेंस कर्मियों समेत अन्य की तलाश कर रही है।

दिल्ली में ढाई महीने में सबसे कम मिले कोरोना मरीज, 24 घंटे में 648 नए मामले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में सोमवार को कोरोना वायरस के 648 मरीजों की पुष्टि हुई जो दो पिछले ढाई महीनों में सबसे कम है। वहीं 86 मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण दर एक फीसदी से नीचे आ गई है जो 19 मार्च के बाद पहली बार सबसे कम है। यह शहर में लगातार दूसरी बार है जब एक दिन में 100 से कम लोगों की मौत दर्ज की गई है। स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 11,040 है। रविवार को दिल्ली में कोविड-19 के 946 मामले आए थे और 78 लोगों की मौत हुई थी तथा संक्रमण दर 1.25 फीसदी पर आ गई थी। नोएडा के व्यापारी और अन्य लोग कोरोना कर्फ्यू से राहत की बाट जोह रहे हैं लेकिन सक्रिय केसों की संख्या 600 से अधिक होने की वजह से बंदिशें अभी लागू हैं। हालांकि, पिछले 10 दिनों में जिस रफ्तार से सक्रिय मरीजों की संख्या कम हुई है, उसको देखकर उम्मीद की जा रही है कि अगले दो से तीन दिनों में सक्रिय मरीजों की संख्या 600 से कम हो सकती है। इससे जिले के लोगों को कोरोना कर्फ्यू से राहत मिल सकती है। गौतमबुद्ध नगर में 21 मई को कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 4891 थी जो 30 मई को घटकर 1184 रह गई यानि 10 दिनों में कोरोना के 3707 सक्रिय मरीज कम हो गए हैं। औसतन 370 कोरोना के सक्रिय मरीज प्रतिदिन स्वस्थ हो रहे हैं। डीएम जिलाधिकारी सुहास एल.वाई. ने कहा कि जिले में कोरोना का संक्रमण पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में उम्मीद है कि अगले दो से तीन दिनों में जिले में सक्रिय मरीजों की संख्या 600 से नीचे आ जाएगी। इसके बाद गौतमबुद्ध नगर कोरोना कर्फ्यू वाले जिलों की सूची से बाहर होगा और यहां पर भी बाजार खोलने की अनुमति होगी। इसके अलावा अन्य बंदिशें भी समाप्त हो जाएंगी और व्यापारियों को राहत मिलेगी।

केजरीवाल का मकसद, तीसरी लहर से पहले हर दिल्लीवासियों को लगे वैक्सीन : सिसोदिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाजपा द्वारा संकट के समय में की जा रही घटिया राजनीति की भर्त्सना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्य कोरोना मैनेजमेंट में पूरी तरह फेल हो गई। लेकिन अरविंद केजरीवाल जब लोगों की मदद कर रहे है तो उन्हें बुरा-भला कह रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की ये कोशिश है कि दिल्ली के सभी नागरिकों को जल्द से जल्द वैक्सीन लगाकर बीमारी की चेन को तोड़ा जाए, जब जब अरविंद केजरीवाल कोई काम करना शुरू करते है तो भाजपा के नेता अपनी बयानबाजी शुरू कर देते है उन्हें गालियां देने लगते है। गुरुवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बयान दिया कि अरविंद केजरीवाल वैक्सीन लगाने में जल्दीबाजी कर रहे है। उन्हें वैक्सीनेशन की गति को धीमा करना चाहिए और वैक्सीन बचानी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अपने कोरोना मैनेजमेंट के फेलियर को छिपाने के लिए बयान बाजी करती है। उन्होंने कहा कि जब भारत में वैक्सीन के उत्पादन को बढ़ाने का समय था, लोगों के लिए वैक्सीन उपलब्ध करवाने का समय था उस दौरान केंद्र सरकार का ध्यान इमेज मैनेजमेंट और चुनाव मैनेजमेंट पर था। और आज जब लोग वैक्सीन की मांग कर रहे है, अरविंद केजरीवाल वैक्सीन की मुहिम को आगे बढ़ाना चाहते है और सुनिश्चित करना चाहते है कि तीसरी लहर से पहले ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाकर उन्हें वैक्सीन की सुरक्षा दी जाए तो भाजपा के नेता उन्हें गालियां दे रहे है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दिल्ली की ऑक्सीजन रोक ली गई। अरविंद केजरीवाल कोर्ट में जाकर लड़कर दिल्ली के लिए ऑक्सीजन लेकर आए जिससें हजारों लोगों की जान बची। आज जब अरविंद केजरीवाल दिल्ली के सभी लोगों के लिए वैक्सीन मांग रहे है तो उन्हें गाली दी जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के नेता अरविंद केजरीवाल को कितनी भी गाली क्यों न दे, जबतक दिल्ली के सभी लोगों के लिए वैक्सीन नहीं आ जाती तबतक अरविंद केजरीवाल इसी तरह वैक्सीन मांगते रहेंगे। उपमुख्यमंत्री ने भाजपा के नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा के नेता संकट के समय में राजनीति करने की जगह अपने राज्यों में लोगों के लिए वैक्सीन उपलब्ध करवाने पर ध्यान दे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जबतक दिल्ली के सभी लोगों के लिए वैक्सीन नहीं मिल जाती हम वैक्सीन की मांग करते रहेंगे। केजरीवाल का मकसद दिल्ली के लोगों को वैक्सीन लगाकर उनकी जान बचाने का है लेकिन भाजपा के नेताओं की गंदी राजनीति देखकर लगता है उनका मकसद वैक्सीन बेचना और बचाना है।

नई दिल्ली में हरियाणा भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 पर टीकाकरण केंद्र शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर अपने तथा अन्य संबंधित हितधारकों के कर्मचारियों के लिए टीकाकरण केंद्र शुरू करेगा। डायल ने सोमवार को बताया कि विमान सेवा कंपनियों, लॉजिस्टिक्स, तकनीकी सेवा प्रदाताओं तथा अन्य हितधारकों समेत हवाई अड्डे पर काम करने वाले 60 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यस्थल पर टीका लगवा सकेंगे। इसके लिए उन्हें पहले सरकारी पोर्टल पर या आरोग्य सेतु ऐप पर पंजीकरण कराना होगा। टीके का खर्च उन्हें स्वयं या अपने नियोक्ता के जरिये वहन करना होगा। एयरपोर्ट संचालक ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि टीकाकरण केंद्र की स्थापना मणिपाल हॉस्पिटल के सहयोग से की गई है। यह टर्मिनल-1 के आगमन प्रांगण में बनाया गया है। सरकार ने कोविड-19 टीकाकरण अभियान में विमानन क्षेत्र को प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। उसने सभी एयरपोर्ट संचालकों से हवाई अड्डों पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कार्यस्थलन पर टीकाकरण की सुविधा सुनिश्चित करने का निदेर्श दिया है। डायल की यह पहल भी उसी निदेर्श पर आधारित है। डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि महामारी की शुरूआत से ही दिल्ली एयरपोर्ट और यहां काम करने वाले कर्मचारी अग्रिम पंक्ति में रहे हैं। उन्होंने हवाई अड्डे पर संचालन सुचारू रखने के लिए दिन-रात काम किया है। हम उन्हें इस खतरनाक वायरस से बचाने के लिए यह टीकाकरण अभियान शुरू कर रहे हैं।

सबूतों की तलाश में सुशील कुमार को लेकर हरिद्वार लेकर जा रही दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली के छात्रसाल स्टेडियम में हुआ पहलवान सागर राणा की हत्या के मामले में गिरफ्तार हुए सुशील कुमार को लेकर दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की टीम हरिद्वार लेकर जा रही है। वारदात के बाद सुशील दिल्ली से भागकर हरिद्वार पहुंचा था। पुलिस को शक है कि सुशील ने अपना फोन यहीं पर ठिकाने लगाया है। इसके अलावा और भी कई सबूतों की तलाश में सुशील कुमार को हरिद्वार ले जाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम पहलवान सुशील कुमार को उत्तराखंड के हरिद्वार ले जा रही है, जहां वह छत्रसाल स्टेडियम में 23 वर्षीय सागर राणा की हत्या के मामले में कथित रूप से छुपा हुआ था। उन्होंने बताया कि पुलिस वहां से उसका मोबाइल फोन भी बरामद करने की कोशिश करेगी। वारदात के बाद पहलवान सुशील कुमार की फरारी के दौरान पांच लोगों ने उसकी मदद की थी। यही नहीं, पुलिस से बचने के लिए सुशील ने अपना फोन वारदात के अगले दिन ही नष्ट कर दिया था, जिसके बाद उसने पांच अलग-अलग फोन का भी इस्तेमाल किया था। पुलिस अब सुशील के इन पांच मददगारों की तलाश में जुटी है। मामले की जांच में जुटी दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच जहां एक तरफ पहलवान सागर की हत्या के दौरान छत्रसाल स्टेडियम में मौजूद रहे सुशील के अन्य फरार साथियों को ढूंढ रही है, वहीं दूसरी तरफ उसे इन पांच मददगारों की भी तलाश है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। इस वक्त पुलिस की पैनी नजर सुशील पहलवान और अजय को शरण देने वालों पर है।

राकेश टिकैत पर फूटा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली/गाजियाबाद । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के किसानों का सिंघु, टीकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर धरना-प्रदर्शन जारी है। वहीं, आम जनता में किसान प्रदर्शनकारियों द्वारा रास्ता रोककर प्रदर्शन करने के चलते गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के ट्वीट पर बड़ी संख्या में लोगों ने तंज कसना शुरू कर दिया है। लोग रिट्वीट कर धरना देने वालों को नकली किसान ठहरा रहे हैं। इसी के साथ सड़क खाली करने की पुरजोर मांग रहे हैं।

बता दें कि राकेश टिकैत की अगुवाई में यूपी गेट पर 28 नवंबर से कृषि कानून विरोधी धरना चल रहा है। प्रदर्शनकारियों का दिल्ली जाने वाली सभी लेनों पर कब्जा है। इससे लाखों राहगीरों को परेशानी होती है। राकेश टिकैत धरने को लेकर लगातार ट्वीट करते रहते हैं। रविवार को उन्होंने ट्वीट किया कि बिल वापसी नहीं, तो घर वापसी नहीं।

मणिपुर के एक लाख के इनामी बदमाश को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने एक लाख रुपये के एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। ये बदमाश मणिपुर का रहने वाला है, इसका नाम कंगूजम कनर्जित उर्फ डॉ केके सिंह है। स्पेशल सेल के सूत्रों के अनुसार आरोपी कंगूजम कनर्जित फर्जी दस्तावेजों और फर्जी हस्ताक्षर का प्रयोग करके खुद को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बड़ी हस्ती बनाकर लोगों के सामने अपने आप को पेश कर लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। इस आरोपी के बारे में मणिपुर पुलिस को आशंका हुई कि ये दिल्ली-एनसीआर में छुपा हुआ हो सकता है। उसके बाद दिल्ली पुलिस से मणिपुर पुलिस ने मदद मांगी। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने जांच का जिम्मा स्पेशल सेल की टीम को सौंपा था।

स्पेशल सेल के मुताबिक, आरोपी ने अंतरराष्ट्रीय युवा समितियों के नाम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय छात्रों से काफी बड़े मात्रा में धन और शुल्क की वसूली की। कई सेमिनार के मार्फत भूकंप पीड़ितों यानी भूकंप के दौरान मृतकों के परिजनों को मद्दत करने और अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन के नाम पर राहत -बचाव करने के नाम पर किया लाखों -करोड़ों रुपये की अवैध उगाही की थी। हालांकि, तब तक उस आरोपी के खिलाफ मणिपुर स्थित स्थानीय अदालत द्वारा कार्रवाई शुरू हो चुकी थी। इस आरोपी को इम्फाल ईस्ट स्थित व मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 25 अप्रैल 2016 को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। इसके साथ ही मणिपुर पुलिस द्वारा इस आरोपी के खिलाफ एक लाख रुपये के इनाम भी घोषित कर दिया गया था, जो अब दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम को प्रदान किया जाएगा। मणिपुर की टीम जल्द ही तमाम औपचारिकता को पूरा करने के बाद आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली से मणिपुर लेकर जाएगी।

एमसीडी सभी कर्मचारियों को तत्काल तनख्वाह जारी करे : दुर्गेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने सोमवार को बयान जारी करते हुए कहा कि कोर्ट ने भाजपा की एमसीडी से तत्काल 31 मई को कर्मचारियों को अप्रैल तक की तनख्वाह जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने साफ किया कि यदि एमसीडी ऐसा नहीं करती है तो उसपर कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट कर दिया जाएगा। आप नेता ने कहा, अभी कुछ दिनों पहले इन्होंने अपने पार्षदों के फंड को 2-2 करोड़ कर दिया था। यदि वह चाहते तो उस फंड से आराम से कर्मचारियों का वेतन दे सकते थे। लेकिन उनके मन में चोर है। आम आदमी पार्टी ने एमसीडी से सभी कर्मचारियों को तत्काल तनख्वाह जारी करने की मांग की है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा की एमसीडी कोरोना की इस गंभीर स्थिति में भी अपने कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दे रही है। लगातार पिछले डेढ़-दो सालों से एमसीडी के कर्मचारी तनख्वाह के लिए परेशान हैं। वह बार-बार पैसे न होने का रोना रोती है और जब कोर्ट उन्हें समय पर तनख्वाह जारी करने को कहती है तो एमसीडी नई तारीख की याचिका करने लगती है। भाजपा की यह पुरानी आदत है जिससे न सिर्फ एमसीडी के कर्मचारी परेशान हैं बल्कि अब कोर्ट भी परेशान हो चुकी है।

उन्होंने कहा, एमसीडी के कर्मचारियों के वेतन को लेकर बहुत दिनों से कोर्ट में सुनवाई चल रही है। आदमी आदमी पार्टी कोर्ट को धन्यवाद करती है कि कल उन्होंने नई तारीख देने से मना कर दिया और आज 31 मई तक अप्रैल तक के सभी बकाया भरने के लिए कहा है और ऐसा न करने पर भाजपा पर कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट का चार्ज लगाने की चेतावनी दी है। पिछले 15 सालों से एमसीडी पर भारतीय जनता पार्टी शासित है। आज एमसीडी की स्थिति यह है कि उनके पास कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। अभी कुछ दिनों पहले इन्होंने अपने पार्षदों के फंड को 2-2 करोड़ कर दिया था। यदि वह चाहते तो उस फंड से आराम से कर्मचारियों का वेतन दे सकते थे। लेकिन उनके मन में चोर है।

आप नेता ने कहा, भारतीय जनता पार्टी की एमसीडी वही अपना क्रूर रवैया, अमानवीय रवैया चला रही है। एमसीडी के कर्मचारी, जो दिल्ली की गलियों की सफाई करते हैं, जो दिल्ली को स्वच्छ रखने में मदद करते हैं, वो नर्स और डॉक्टर जो कोरोना काल में लड़ रहे हैं, वो टीचर जो वैक्सीनेशन में मदद कर रहे हैं, उन्हें तनख्वाह नहीं मिली है। केजरीवाल जी की सरकार उनकी हर बार मदद करते हैं, उन्हें पैसा भेजते हैं लेकिन आज स्थिति यह है कि एमसीडी के कर्मचारी सड़कों पर हड़ताल कर रहे हैं। कोरोना के कारण उनकी रीढ़ की हड्डी टूट चुकी है और आज एमसीडी उनके साथ खड़ा होने के बजाय उन्हें परेशान कर रही है। वे लोग अपने बच्चों की फीस नहीं दे पा रहे हैं, किराया नहीं भर पा रहे हैं।

दुर्गेश पाठक ने कहा, मैं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से प्रार्थना करता हूं कि इस विपदा के समय में आप अपने भ्रष्टाचार से लोगों को परेशान मत कीजिए। आम आदमी पार्टी मांग करती है कि जल्द से जल्द आज एमसीडी कर्मचारियों के सारे बकाया जारी करे और यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो कोर्ट उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी।

संपादकीय

भारत विरोधी दुष्प्रचार

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता संभालने के बाद पहले तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि भारत सरकार की छवि धूमिल करने का प्रयास चल रहा है। उन्होंने सरकार की आलोचना करने वालों को जवाब देते हुए कहा कि महामारी के कारण भारत तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है, इसके बावजूद हमारी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन दे रही है, जो अमेरिका की आबादी से ढाई गुना अधिक हैं। 40 करोड़ लोगों के खातों में सीधे आतथक मदद पहुंचाई जा रही है। गौर करने वाली बात है कि पिछले 1 वर्ष से पश्चिमी देश और वहां की मुख्यधारा का मीडिया प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के विरुद्ध दुष्प्रचार अभियान चला रहे हैं। पिछले दिनों ही 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने भारत में कोरोना विषाणु संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या को लेकर झूठी खबर छापी थी जिसका सरकार ने विकृत आकलन पर आधारित बता कर खंडन किया। वास्तविकता है कि अमेरिका सहित अन्य पश्चिमी देशों की सरकारें भारत के कोरोना संकट के प्रति जैसी उदासीन हैं, ठीक यही हालत वहां मीडिया की भी है। पश्चिमी मीडिया भारत के संकट की आग में घी डालने का काम कर रहा है। 'न्यूयार्क टाइम्स' से पहले ब्रिटेन के अखबार 'द गातजयन' ने भारत को 'कोविड नरक' की संज्ञा दी थी। अमेरिका और ब्रिटेन के अन्य अखबार भी ऐसे ही अमानवीय रवैये का परिचय दे रहे हैं। भारत में ऑक्सीजन के अभाव में सांसों के लिए जूझते कोरोना मरीजों की तस्वीरें छापी गइफा उसके बाद श्मशानों में जलती चिताओं की रिपोर्ट्स और तस्वीरें छपीं। जाहिर है ऐसी खबरें और कवरेज भारत की छवि खराब करने के लिए हैं। पिछले वर्ष किसान आंदोलन के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रुड़ो ने भारत को नसीहत दी थी। उनका बयान किसान आंदोलन को शह देने वाला माना गया। सभी जानते हैं कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व मौजूद हैं, राजनीतिक सत्ता तक उनकी पहुंच है। पाकिस्तान सीमा पर आतंकवाद के लिए जिम्मेदार है तो कनाडा खालिस्तानी तत्वों की पनाहगाह बनने और भारत विरोधी दुष्प्रचार का केंद्र बना हुआ है। सभी जानते हैं कि भाजपा सरकार और उसकी हिंदुत्ववादी विचारधारा पश्चिमी देशों की सरकारों की आंखों की किरकिरी बनी हुई है, लेकिन संतोष की बात है कि विश्व राजनीति में भारत के बढ़ते असर से नई दिल्ली पर निशाना साधना मुश्किल हो गया है।

प्रवीण कुमार सिंह

निजता और शिकंजा

देश में नये आईटी कानून लागू होने के बाद निजता के सवाल की बहस ने लोगों का ध्यान खींचा है। गत पच्चीस फरवरी को घोषित आईटी कानूनों को सरकार ने तीन माह में लागू करने की घोषणा की थी तथा सोशल मीडिया कंपनियों से निर्धारित जानकारी मांगी थी। लंबे समय से भारत के व्हाट्सएप उपभोक्ताओं की निजी जानकारी व्यापारिक उपयोग के लिये हासिल करने के लिये दबाव बनाने वाली सोशल मीडिया कंपनी इन नये कानूनों को निजता के अधिकार का हनन बताते हुए अब दिल्ली हाईकोर्ट चली गई है। दुनिया में सत्ता को बनाने व बिगाड़ने के खेल में शामिल ये कंपनियां दरअसल निरंकुश व्यवहार के लिये जानी जाती हैं। बताया जाता है कि इस साल जनवरी में फेसबुक व ट्विटर डोनाल्ड ट्रंप को हटाने की मुहिम में एकजुट हो गए थे। कई विवादों के चलते फेसबुक के मुखिया को अमेरिकी सीनेट में तलब भी किया गया था। बाइडेन प्रशासन भी अब इन कंपनियों को जवाबदेह बनाने की मुहिम में जुटा है। अमेरिका में इन भीमकाय कंपनियों को छोटे उद्यमों में बदलने की मांग हो रही है। निजता के अधिकारों की दलील देने वाले फेसबुक पर विगत में उपभोक्ताओं का डाटा व्यावसायिक उपयोग के लिये बेचने के भी आरोप लगे थे। ऐसे वक्त में जब चीन ने इन कंपनियों पर रोक लगाकर अपना सोशल मीडिया विकसित कर लिया है तो अमेरिका व यूरोप से बड़े बाजार व बड़ी जनसंख्या वाला भारत इनके व्यावसायिक हितों के निशाने पर है। निस्संदेह भारत कोई खाला का घर नहीं है कि ये भीमकाय कंपनियां निजता व लोकतांत्रिक अधिकारों की दलीलों के साथ व्यावसायिक हितों को अंजाम दें। भारत में पहले आईटी कानून लचर थे और इन कंपनियों के निरंकुश व्यवहार पर नियंत्रण करने व जवाबदेही तय करने में सक्षम नहीं थे। इन नये कानूनों के खिलाफ व्हाट्सएप अदालत चला गया है तो ट्विटर ने कहा है कि वह उन कानूनों में परिवर्तन का समर्थन करता रहेगा, जो स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति में बाधक हैं।

वहीं सरकार अपने स्टैंड पर कायम है, उसका कहना है कि वह निजता के अधिकार की पक्षधर है लेकिन कोई भी अधिकार निरंकुश व पूर्ण नहीं होता। साथ ही यह भी कि एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन भंग होने की दलीलें हर आम उपभोक्ता के बाबत नहीं है। सरकार की दलील है कि यह कानून केवल उन परिस्थितियों में लागू होगा जहां राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति तथा शांति भंग होने से जुड़े मामले सामने होंगे। निस्संदेह जब देश में सांप्रदायिक सौहार्द भंग करने और देश विरोधी मामलों में फर्जी खबरों का उफान तेजी पर है तो खबर फैलाने वाले मूल स्रोत तक पहुंचना जरूरी भी है। निस्संदेह, जवाबदेही व जिम्मेदारी तो जरूरी है लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि कहीं सरकार का व्यवहार निरंकुश न हो जाये और वह निजता व अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश न लगाने लगे क्योंकि कौन-सी खबर आपत्तिजनक है, इसका निर्धारण भी तो सरकार के अधिकारी ही तय करेंगे। इससे जुड़ी दूसरी चिंता यह भी है कि ये कानून मीडिया संस्थानों के डिजिटल एडीशनों पर भी लागू होंगे, जिसमें पाठक अपनी प्रतिक्रिया देते रहते हैं, जिसे अभिव्यक्ति की आजादी पर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन सरकार इन कानूनों पर किसी तरह पीछे हटती नहीं दिख रही है। सरकार को इससे जुड़ी तमाम आशंकाओं का सार्वजनिक रूप से निराकरण करना चाहिए। बहरहाल, सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से नियमों के पालन की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

बयानवीरों की ऑक्सीजन से मन खिन्न

पी के याद है आपको? अरे वही फिल्मवाला एलियन! वापस अपने गोले पर लौटने पर उसे बड़ी ख्याति मिली। लेकिन कई साल बाद अब झूठ बोलने के अपराध में उसे धर लिया गया। उसका झूठ उसी तरह सामने आया, जैसे अपने यहां सालों बाद नेताओं के घोटाले सामने आते हैं। फिल्म में उसने दावा किया था कि उसके गोले पर कोई झूठ बोलता है। लेकिन बाद में जगतजननी ने बता दिया था कि वह अपने यहां से झूठ बोलना सीख कर गया है। उस पर आरोप यही लगा कि उसका यह दावा झूठा है कि धरती पर ऑक्सीजन है। पी के ने अपना बचाव करते हुए कहा-नहीं मैं सच कह रहा हूं कि धरती पर ऑक्सीजन है। कहां है-उसे झूठ बोलने की सजा दिलाने पर आमादा लोगों ने कहा-धरती पर और खासतौर से भारत में जहां तुम रहकर आए हो, कहां है ऑक्सीजन बताओ? हमने सब जगह पता किया, पर वहां सचमुच कहीं नहीं है ऑक्सीजन। न अस्पतालों में है, न सरकार के पास है। हमें तो लोग ऑक्सीजन के सिलेंडर लिए भागते-दौड़ते ही मिले। सब यही कह रहे थे कि ऑक्सीजन कहीं नहीं है। आप लोग कंगना रनौट से मिले क्या-पी के ने पूछा। नहीं-पी के के विरोधियों ने कहा-पर क्यों? लो-पी के ने कहा-अगर मिल लेते तो वही बता देती कि ऑक्सीजन तो थी, पर वहां के बाशिंदों ने सारी लूट ली। इसमें मेरा क्या दोष?

और हां-पी के कह रहा था-आप बाबा रामदेव से मिले क्या? नहीं तो-पी के विरोधियों ने कहा-पर क्यों? इसलिए-पी के ने कहा-क्योंकि वे ही आपको बता देते कि ऑक्सीजन से तो पूरा ब्रह्मांड भरा पड़ा है। तुम फिर झूठ बोल रहे हो-विरोधियों ने पी के के झूठ को फिर रेखांकित किया-सारे ब्रह्मांड में कहां ऑक्सीजन है? तुमने खुद कहा था कि तुम चांद पर गए हो, पर वहां तो ऑक्सीजन नहीं है। नहीं-पी के ने कहा-बाबा का ब्रह्मांड जितना है, उतने में तो है। उनका ब्रह्मांड कितना है-पी के विरोधियों को आश्चर्य हुआ कि बाबा का कोई और ब्रह्मांड है और उसमें ऑक्सीजन भरी पड़ी है। अरे उनकी बुद्धि जितना और कितना-पी के ने कहा-लेकिन आपको उनसे मिलना चाहिए था, वे आपको बताते कि भगवान ने ऑक्सीजन के दो-दो सिलेंडर तो सबको दे रखे हैं।

कोरोना की जांच, चीन पर आंच

दुनिया भर में करीब 17 करोड़ लोगों को संक्रमित करने और उनमें से 35 लाख लोगों को अपना शिकार बनाने वाले कोरोना वायरस की पैदाइश को लेकर पसरा कोहरा अगले कुछ महीनों में छंट सकता है।

ऐसा लग रहा है कि दुनिया की बादशाहत को लेकर चीन से लगातार चुनौती झेल रहे अमेरिका ने इस दिशा में वो निर्णायक कदम उठा लिया है, जो इस रहस्य से पर्दा उठा सकता है। इस काम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी खुफिया एजेंसी को 90 दिन की मोहलत दी है। पिछले एक साल से यह मसला बहस का केंद्र रहा है और दुनिया के कई विशेषज्ञों की मान्यता है कि इस वायरस के वुहान की लैब में तैयार होने की आशंका पर अभी और काम किए जाने की जरूरत है। अब अमेरिका के इस फैसले ने इस आशंका को नये सिरे से हवा दे दी है।

उम्मीद के मुताबिक चीन ने इस कदम पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। उसने अमेरिका को अपने खिलाफ साजिश रचने से बाज आने को कहा है और अमेरिका से भी अपनी प्रयोगशालाओं को जांच के लिए खोलने की मांग की है, लेकिन इस बार उसके तेवरों में तीखापन कम और बौखलाहट ज्यादा दिखाई दे रही है। इसकी एक वजह शायद यह हो सकती है कि पिछले साल तक इस मुद्दे पर उसके साथ खड़े दिख रहे वि स्वास्थ्य संगठन ने भी यू-टर्न ले लिया है। संगठन के महानिदेशक ने वायरस की उत्पत्ति पर आगे और अध्ययन की पश्चिमी देशों की मांग से सहमति जताकर एक तरह से चीन के पैरों के नीचे से जमीन निकालने वाला काम किया है।

पिछले साल मार्च में विश्व स्वास्थ्य संगठन और अपने वैज्ञानिकों की संयुक्त रूप से लिखी रिपोर्ट को चीन अपने लिए क्लीनचिट के तौर पर पेश करता आया है। इस रिपोर्ट में वायरस के किसी लैब में बनने की संभावना को बेहद कम बताते हुए इसी मान्यता को बल दिया गया था कि चमगादड़ जैसे किसी संक्रमित पशु के संपर्क में आने से यह इंसानों में फैला, लेकिन अब विश्व स्वास्थ्य संगठन के बदले रु ख से चीन का पलड़ा हल्का पड़ गया है। संभव है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन चीन पर वुहान लैब की जांच के लिए नये सिरे से दबाव बनाए और इस बार जांच वाकई पारदर्शी हो और सभी डेटा जांच दल की पहुंच में हों। हालांकि साजिश रचने में माहिर चीन ने सबूत मिटाने में कोई कोताही बरती होगी, इसकी संभावना न के बराबर है। ऐसे में जांच दल के हाथ कोई बड़ी उपलब्धि लग पाएगी, ऐसा नहीं लगता।

इसके बावजूद कहा जा सकता है कि बाइडेन ने नहले पर दहला जड़ने के लिए शायद सही वक्त का चुनाव किया है। हालांकि उनके पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप बहुत पहले से इस वायरस के चीन की लैब से निकलने का दावा कर रहे थे, लेकिन डेमोक्रेट खेमा इसे ट्रंप की गैर-जवाबदेह बयानबाजी ही कहता रहा था। झूठे बयानों और गलत जानकारी फैलाने के कारण ट्रंप की छवि पहले ही विवादित नेता की बन चुकी थी। राष्ट्रपति चुनाव में धांधली के आरोपों की ही तरह चीन को कटघरे में खड़े करने के लिए भी वो कोई सबूत पेश नहीं कर पाए, लेकिन अब जब सब कुछ वैसा ही हो रहा है, जिसकी वो पैरवी कर रहे थे तो उन्हें यह कहने का हक तो मिल ही गया है कि उनकी कही बात पर अब दुनिया मुहर लगा रही है। कभी उनकी बातों को खारिज कर देने वाले व्हाइट हाउस के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार एंथनी फाउची की राय भी अब बदल गई है और वो भी मान रहे हैं कि हो सकता है कि वायरस को प्राकृतिक मानने की उनकी सोच 100 फीसद सही न हो।

इसलिए तहकीकात का एक सिरा उस सवाल से भी जुड़ना चाहिए कि बाइडेन का फैसला अमेरिका समेत दुनिया के दबाव का नतीजा है, या फिर उनके हाथ कोई ऐसा सबूत लगा है, जिससे वो अचानक इस फैसले तक पहुंचे हैं। कहीं इसका उस गुप्त दस्तावेज से कोई कनेक्शन तो नहीं, जिसमें कोरोना वायरस को तीसरे विश्व युद्ध में एक जैविक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की चीन की तैयारियों का खुलासा किया गया है।

चीन की इस विस्तारवादी महत्त्वाकांक्षा का प्रभाव अमेरिका के बाहर भी दिख रहा है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इस्राइल, डेनमार्क, नॉर्वे, जापान और कोरिया जैसे 13 प्रमुख देश नये सिरे से जांच के मामले में अमेरिका के साथ खड़े हैं। तो भारत ने भी वायरस की उत्पत्ति की दोबारा जांच के समर्थन में प्रमुखता से आवाज उठाई है, लेकिन चीन की इस घेराबंदी में ब्रिटेन बेहद सक्रिय भूमिका निभाता दिख रहा है। नाटो से लेकर अपने मित्र देशों को चीन से सुरक्षा देने के मकसद से ब्रिटेन ने अपनी नौसेना के सबसे शक्तिशाली बेड़े को हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए रवाना कर दिया है। इस बेड़े पर 32 एयरक्राफ्ट के साथ 3,700 नौ-सैनिक सवार हैं। अगले सात महीने तक यह बेड़ा भू-मध्य सागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 2,600 समुद्री मील का सफर तय करेगा। ये वो समुद्री इलाका है, जहां कई क्षेत्रों पर कब्जे के लिए चीन आक्रामक रु ख अपनाए हुए है। अब ब्रिटेन यहां भारत सहित कई देशों के साथ 70 से ज्यादा युद्धाभ्यास करके चीन के खिलाफ दुनिया के लामबंद होने का संदेश बुलंद करना चाहता है।

भारत के नजरिये से देखें तो जो हो रहा है, अच्छा हो रहा है। मौजूदा दौर में चीन की आफत हमारे लिए राहत से कम नहीं है। खासकर ऐसे समय में जब हमारा लगभग हर पड़ोसी या तो मजबूरी में या कोरी महत्त्वाकांक्षा के कारण चीन के सामने नतमस्तक है। कोरोना की आपदा में अवसर तलाशने की चीन की साजिश पहली लहर के दौरान देश की उत्तरी सीमा पर गलवान घाटी में हमले के रूप में सामने आई थी। अब दूसरी लहर में चीन ने हमारी दक्षिणी सीमा पर नजरें टेढ़ी की हैं। श्रीलंका के हम्बनटोटा बंदरगाह पर कब्जा जमाने के बाद चीन अब कोलंबो के पास एक पोर्ट सिटी बनाने जा रहा है। परोक्ष या अपरोक्ष रूप से इसका मतलब यही है कि कोलंबो का बंदरगाह अब चीन के कब्जे में आ चुका है, और आने वाले समय में वो जब चाहेगा उसकी पनडुब्बियां, युद्धपोत यहां बेरोकटोक डेरा डाल सकेंगे। यह जगह कन्याकुमारी से केवल 290 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां तक कि चेन्नई और त्रिवेन्द्रम पर भी हर वक्त खतरा मंडराता रहेगा। ऐसे समय में ब्रिटिश बेड़े की इस इलाके में मौजूदगी से भले ही तनाव और संघर्ष के हालात बनें, लेकिन वो चीन पर एक नकेल का काम भी करेगा।

बहरहाल, गेंद अब विश्व स्वास्थ्य संगठन के पाले में है। अमेरिका ने तो अपनी ओर से पड़ताल का बिगुल बजा दिया है। संभव है कि 90 दिनों में उसकी खुफिया एजेंसियां कोरोना की उत्पत्ति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां निकाल भी लाएं। ये जानकारियां चाहे जितनी सटीक हों, अगर ये चीन के खिलाफ जाती हैं तो वो इनकी प्रामाणिकता पर हमेशा सवाल उठाता रहेगा और कोरोना का सच सामने होकर भी मंजूर नहीं किया जा सकेगा। यह तभी संभव होगा जब इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की भी मुहर लगेगी।

> भारत के नजरिये से देखें तो जो हो रहा है, अच्छा हो रहा है। मौजूदा दौर में चीन की आफत हमारे लिए राहत से कम नहीं है। खासकर ऐसे समय में जब हमारा लगभग हर पड़ोसी या तो मजबूरी में या कोरी महत्त्वाकांक्षा के कारण चीन के सामने नतमस्तक है। कोरोना की आपदा में अवसर तलाशने की चीन की साजिश पहली लहर के दौरान देश की उत्तरी सीमा पर गलवान घाटी में हमले के रूप में सामने आई थी। अब दूसरी लहर में चीन ने हमारी दक्षिणी सीमा पर नजरें टेढ़ी की हैं।

अमेरिका में जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर बाइडेन प्रशासन के बागडोर संभालने के बाद पहली बार अमेरिका के दौरे पर गए। उन्होंने राजधानी वाशिंगटन डीसी में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकेन, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलविन के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया। इन बैठकों से एक बात स्पष्ट थी कि भारत और अमेरिका की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। जयशंकर का मुख्य जोर भारत के वैक्सीन उत्पादन को बढ़ावा देना तथा अमेरिका से अधिक-से-अधिक मात्रा में वैक्सीन हासिल करना था। वहीं अमेरिकी प्रशासन का जोर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभर रहे क्वाड के लिए भारत का अधिक-से-अधिक सहयोग हासिल करना था। जहां तक वैक्सीन का सवाल है, अमेरिका की ओर से भारत को बार-बार भरोसा दिलाया गया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि जमीनी स्तर पर अमेरिका किस सीमा तक भारत की मदद करेगा। अमेरिका महामारी से उबरने की ओर है। अगले कुछ महीनों में वहां की पूरी आबादी का टीकाकरण हो जाएगा जिसके बाद वहां सामान्य आर्थिक गतिविधियां जोर पकड़ लेंगी।

इस बात की संभावना कम है कि जब तक अमेरिका में टीकाकरण का काम पूरा नहीं होता वह किसी अन्य देश को उदारतापूर्वक वैक्सीन देगा। भारत में बनने वाली वैक्सीन के लिए कच्चे माल की आपूर्ति भी आशानुरूप हो पाएगी; इसमें संदेह है। दूसरी ओर, विश्व व्यापार संगठन में वैक्सीन संबंधी पेटेंट नियमों में ढिलाई देने के बारे में भी पश्चिमी देश गंभीर और उत्साहित नहीं हैं। इन परिस्थितियों में भारत के लिए अपनी पूरी आबादी का टीकाकरण कराना एक बड़ी चुनौती साबित होगा।

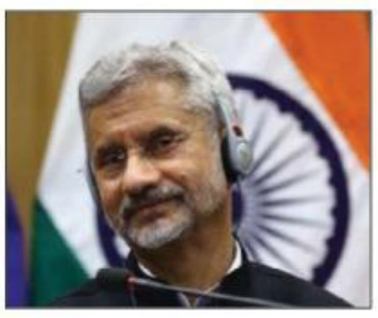

जयशंकर के अमेरिका प्रवास के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्वाड की भूमिका को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। स्वंय जयशंकर ने क्वाड संबंधी विचार-विमर्श को केंद्रीय महत्व नहीं दिया। उन्होंने भारत का पुराना पक्ष दोहराया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समान चुनौती और समान विचार वाले देश आपस में सहयोग कर रहे हैं। इस सहयोग को शीतयुद्ध के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। क्वाड को सैनिक गठबंधन के रूप में पेश किए जाने को भारत सिरे से खारिज करता है। रक्षा विशेषज्ञ क्वाड के बारे में सदस्य देशों के बयानों को बेईमानी की संज्ञा देते रहे हैं। उनके अनुसार हकीकत यह है कि क्वाड चीन के सैनिक और राजनीतिक दबदबे को काबू रखने की मोर्चाबंदी है।

जयशंकर की अमेरिका यात्रा उस समय हुई जब अमेरिका की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ मोदी सरकार की ठनी हुई है। ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप जैसी आईटी कंपनियों की नकेल कसने के लिए मोदी सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हीलाहवाली और आनाकानी करने के बावजूद इन कंपनियों को सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करना ही होगा। गौर करने वाली बात यह है कि जो बाइडेन को व्हाइट हाउस पहुंचाने में इन कंपनियों की बड़ी भूमिका रही है। इन कंपनियों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डोनाल्ड ट्रंपेके चुनाव अभियान को कमजोर करने की कोशिश की थी। स्वंय ट्रंप का ट्विटर एकाऊंट बंद कर दिया गया था। यह हकीकत है कि सिलिकॉन वैली की इन आईटी कंपनियों की अपनी 'लेफ्ट लिबरल' विचारधारा है। इस विचारधारा को वे अमेरिका ही नहीं बल्कि अन्य देशों में भी थोपने की कोशिश करते हैं। भाजपा का आरोप है कि ये कंपनियां मोदी सरकार के विरुद्ध परोक्ष रूप से जनमत तैयार करने में लगी हैं। वह इस बात को लेकर आशंकित है कि उत्तर प्रदेश विस चुनाव और उसके बाद 2024 के लोक सभा चुनाव में ये कंपनियां पक्षपात कर सकती हैं। अमेरिका में जैसा ट्रंप के साथ हुआ वैसा ही मोदी और योगी आदित्यनाथ के साथ हो सकता है।

और कोई समय होता तो बाइडेन प्रशासन जयशंकर के सामने आईटी कंपनियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर ऐतराज कर सकता था, लेकिन भू-रणनीतिक स्थिति ऐसी है कि बाइडेन प्रशासन मोदी सरकार को किसी तरह नाराज करने की जोखिम नहीं उठा सकता। जयशंकर की यह यात्रा बाइडेन प्रशासन के साथ आपसी समझदारी बढ़ाने और द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को निश्चित दिशा देने में सहायक सिद्ध हुई है, लेकिन रूस से एस-400 मिसाइल विरोधी प्रणाली हासिल करने और ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास में भारत की भूमिका को लेकर अमेरिका भविष्य में क्या रवैया अपनाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

हमें हाईकोर्ट का जज बनवाइए

झल्लन हमें देखते ही बोला, 'ददाजू, सुना है आपकी इधर-उधर थोड़ी-बहुत रैंठ-पैंठ है, सो हमारा एक काम करा दीजिए, हमें किसी हाईकोर्ट का जज बनवा दीजिए।'

हमने हैरत से उसकी ओर देखा कि शायद वह मजाक कर रहा है और खाली-पीली हमारी चुटकी भर रहा है। हमने कहा, 'हाईकोर्ट का जज क्यों बनना चाहता है, अगर बनना ही है तो सुप्रीम कोर्ट का जज बन जा और हो सके तो सीधे-सीधे सीजेआई की कुर्सी पर जम जा।' झल्लन बोला, 'सुनिए ददाजू, हम मजाक नहीं कर रहे हैं जो ख्वाहिश जाहिर कर रहे हैं वो बहुत सीरियस होकर कर रहे हैं, हम सुप्रीम कोर्ट के जज कतई नहीं बनेंगे, बनेंगे तो सिर्फ हाईकोर्ट के ही बनेंगे और ऐसे-ऐसे फैसले सुनाएंगे कि सारी सरकारों के होश ठिकाने लग जाएंगे।'

हमने कहा, 'मद्रास हाईकोर्ट, दिल्ली हाईकोर्ट, इलाहाबाद हाईकोर्ट पहले ही ऐसे फैसले सुना चुके हैं और हर सुनने वाले के होश उड़ा चुके हैं। तू हाईकोर्ट का जज बन जाएगा तो उनसे ज्यादा क्या सुना पाएगा।'

झल्लन बोला, 'देखिए ददाजू, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग ने कोरोना फैलाया है और इस आयोग की वजह से ही कोरोना ने मौत का तांडव रचाया है सो चुनाव आयोग को कटघरे में लाना चाहिए और उस पर हत्या का मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हम मद्रास हाईकोर्ट के जज बने तो हम चुनाव आयोग को फांसी की सजा सुनाएंगे, चुनाव आयोग की मौत के बाद हम एक रिटार्यड जज को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाएंगे और देश में जहां कहीं भी चुनाव जरूरी होंगे, कम-अज-कम वहां चुनाव बिल्कुल नहीं कराएंगे।' हमने कहा, 'अगर दिल्ली हाईकोर्ट का जज बन गया तो क्या फैसला देगा, वहां के जज जो फैसला दे चुके हैं उनका क्या करेगा। वे कह चुके हैं कि ऑक्सीजन की आपूर्ति न होने पर अवमानना का मुकदमा दर्ज कराएंगे, ऑक्सीजन की सप्लाई बाधित करने वालों को फांसी पर लटकाएंगे, किसी को नहीं बख्शेंगे। सरकार चाहे चोरी करे, भीख मांगे, उधार ले पर ऑक्सीजन उपलब्ध कराए, न करा पाये तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार हो जाये। इससे ज्यादा तू क्या कहेगा, इससे बड़ा क्या फैसला देगा?'

झल्लन बोला, 'देखिए ददाजू, हमारे भीतर का न्यायाधीश जग रहा है इसलिए ये फैसला हमें बहुत तुच्छ लग रहा है। हम अपने फैसले में लिखते कि एक हफ्ते में दिल्ली की एक करोड़ जनता को ऑक्सीजन, दवा, इंजेक्शन, वेंटीलेटर, बेड और अस्पताल उपलब्ध नहीं कराए तो हम केंद्र सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर देंगे और राष्ट्रपति शासन लागू कर देंगे और अगर वर्तमान राष्ट्रपति ने ना-नुकुर की तो तत्काल दूसरा राष्ट्रपति नियुक्त कर देंगे।'

हमने कहा, 'अगर इलाहाबाद हाईकोर्ट जाता तो वहां क्या फैसला सुनाता? इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपनी सरकार को खूब लताड़ा भी है और अपने अधिकार के डंडे से खूब झाड़ा भी है। कहा है कि ऑक्सीजन और दवा की कमी से हुई मौत को आपराधिक कृत्य माना जाये, ऐसी मौतों को नरसंहार गिना जाये और इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाये। सरकार एलपीजी सिलेंडरों में ऑक्सीजन भरने पर विचार करे, हर कस्बे में बीस और हर गांव में दो आईसीयू लैस एंबुलेंस एक महीने में मुहैया करे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से बेचारी सरकार इतना डर गयी कि दोनों हाथ जोड़कर सुप्रीम कोर्ट की शरण में पहुंच गयी। इससे ज्यादा क्या करेगा?' झल्लन बोला, 'और कुछ नहीं ददाजू, हम इस फैसले में थोड़ा संशोधन करेंगे और इसकी न्यायिक गुणवत्ता में थोड़ा संवर्धन करेंगे। अगर दवा, ऑक्सीजन और टीके में कमी हुई तो इसे सरकार, सरकार चलाने वाली विधायिका और विधायिका के अंतर्गत कार्य करने वाली कार्यपालिका, सभी के विरुद्ध नरसंहार की शिकायतों का स्वत-संज्ञान लेंगे और आजीवन कारावास तक के दंड का निर्धारण करेंगे। सरकार को हर गांव में दस एंबुलेंस लगानी होंगी, आबादी के दुगने हिसाब से गैस सिलेंडरों की फैक्टरी चलानी होगी।'

हमने हंसते हुए कहा, 'लगता है हमें जरूर कुछ-न-कुछ करवाना पड़ेगा, तुझे हाईकोर्ट का जज बनवाना पड़ेगा। पर हम समझ नहीं पा रहे हैं कि किससे सिफारिश करवाएं।' झल्लन बोला, 'सुनिए ददाजू, चाहे जहां, चाहे जितना जोर लगाना पड़े, लगवाइए, पर हमें हाईकोर्ट की गद्दी तक जरूर पहुंचाइए। जब वैसे-वैसे जज बन सकते हैं तो हम क्यों नहीं बन सकते, जब उन्हें ऐसे-ऐसे फैसले देने के अधिकार प्राप्त हैं तो हमें अपने फैसले सुनाने के अधिकार क्यों नहीं मिल सकते?' हमने मजे लेते हुए कहा, 'झल्लन, इधर तू अपना फैसला सुना देगा उधर सुप्रीम कोर्ट उस पर रोक लगा देगा।' झल्लन आंख दबाकर मुस्कुराया, 'सुनो ददाजू, हम सुप्रीम कोर्ट के लिए भी आदेश जारी करेंगे कि वह ज्यादा विद्वता ना दिखाए और हमारे किसी फैसले में टंगड़ी ना फंसाए। अगर सुप्रीम कोर्ट नहीं सुनेगा तो हम अपना लोकतांत्रिक विशेषाधिकार प्रयुक्त कर लेंगे और सुप्रीम कोर्ट के ऊपर किसी हाईकोर्ट के जज को नियुक्त कर देंगे।'

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

बरेली : बैंक के बाहर से किसान का दो लाख से भरा थैला चोरी

बरेली। जिला सहकारी बैंक की शाखा जो कि हाईवे रोड के किनारे बनी वर्मा कॉलोनी में स्थित है। सोमवार को 11 बजे करीब इस शाखा से ग्राम पंडा बम्होरी निवासी रूप सिंह किसान ने 2 लाख रुपए निकालकर बैंक के बाहर कुर्सी पर बैठा था। किसान के बैठने के बाद 2 लाख रुपए से भरा बैग और उसमें रखे चैकबुक, पासबुक, पेनकार्ड, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड भी चोरी हो गए। बैग नहीं मिलने से हंडकंप मच गया। घटना की जानकारी किसान ने पुलिस को दी। बता दें कि बैंक में रोज किसानों की लाइन लगती है। बैंक के पास टेंट ,कुर्सी डालकर किसानों को बैठने, की भी व्यवस्था है। वाहन और सहकारी तथा ग्रामीण बैंक के सामने अधिक भीड़ न हो। सह. बैंक खुलने से पूर्व लाइन में लगे लोगों को टोकन बांट कर एक-एक कर बैंक के भीतर बुला कर भुगतान की व्यवस्था भी की गई है।

इंदौर : अस्थियां बदल जाने पर परिजनों ने किया हंगामा

इंदौर। पीपल्यापाला रीजनल पार्क मुक्तिधाम में फिर अस्थियों की अदला-बदली होने के कारण परिजनों ने हंगामा किया। परिजन जब सोमवार सुबह अस्थियां लेने पहुंचे, तो उन्हें अस्थियां नहीं मिलीं। कर्मियों ने बताया कि उक्त अस्थियां तो खंडवा निवासी दूसरा परिवार ले गया। बाद में अस्थियां ले जाने वाले परिवार को फोन लगाया, तो उन्होंने बताया कि अस्थियां विसर्जित करवा दी हैं। नानकनगर के शुभम कुशवाह ने बताया कि उनकी दादी गिरजाबाई (60) का दाह संस्कार 29 मई को मुक्तिधाम में किया था। उनकी मौत कोरोना संक्रमण से हुई थी। परिवार अस्थियां लेने गए तो वहां अस्थियां नहीं मिली। परिजनों ने अस्थियों को लेकर श्मशान कर्मियों से पूछा तो कर्मचारी कुछ बताने को तैयार नहीं थे। जब जोर डाला तो बताया कि किसी और को दे दी है। इस बात पर परिजन भड़क गए।

ग्वालियर : 75 वर्षीय वृद्ध ने खुद को मारी गोली, मौत

ग्वालियर। शहर के जनकगंज स्थित शंकर कॉलोनी में रविवार की रात 11 बजे के करीब बुजुर्ग मदनलाल 72 वर्ष पुत्र नारायण प्रताप शर्मा पेशे से किसान ने लाइसेंसी बंदूक की नाल अपने पेट पर रखकर ट्रिगर दबा दिया। गोली पेट को चीरते हुए निकल गई। आवाज सुनकर परिजन छत पर पहुंचे। उन्हें तुरंत जेएएच लेकर पहुंचे, जहां मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव डेड हाउस में रखवा दिया। परिजन ने पुलिस को बताया कि कुछ समय से बुजुर्ग डिप्रेशन में थे। तीन साल पहले बड़ा बेटा कैंसर से मौत हो गई थी। बेटे की मौत के बाद से ही व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ गया था। सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। पुलिस ने राइफल भी जब्त कर ली है। परिवार में तीन बेटे हैं। रविवार शाम उनके बेटे गिरवाई नाके स्थित किसी रिश्तेदार के घर गए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बड़वानी : पूर्व नपा अध्यक्ष पर पांच हजार का इनाम घोषित

बड़वानी। जिले के एसपी ने कथित तौर पर अवैध कॉलोनी निर्माण के आरोपी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजेंद्र मोतियानी गिरफ्तारी के लिए सोमवार को पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि फरार आरोपी पूर्व नपा अध्यक्ष सेंधवा राजेंद्र मोतियानी गिरफ्तारी के लिए पांच हजार रुपए का इनाम रखा है। सेंधवा शहर थाना पुलिस ने 12 फरवरी को पूर्व नपा अध्यक्ष सेंधवा तथा पूर्व कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष राजेंद्र मोतियानी के विरुद्ध अवैध रूप से बिना डायवर्शन कराए कॉलोनी बनाकर भूखंड बेचने तथा मूलभूत सुविधाएं प्रदान देने के आरोप में धोखाधड़ी, कूट रचना व मप्र नपा अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। ननि बलदेव मुजाल्दा ने बताया कि मोतियानी की पत्नी संगीता मोतियानी पर भी प्रकरण दर्ज किए हैं।

भिंड : इलाज के दौरान तीन साल के बच्चे की मौत, हंगामा

भिंड। शहर कामाख्या मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पीटल में इलाज के दौरान एक तीन साल के बच्चे की जान चली गई, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया। वहीं परिजनों ने डॉक्टर व अन्य स्टाफ पर गलत इलाज करने का आरोप लगाया है। सूचना लगते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराने का प्रयास किया लेकिन परिजनों मांग थी कि अस्पताल को तुरंत सील किया जा।, इसके साथ दोषी डॉक्टरों व स्टाफ के विरुद्ध एफआईआर की मांग रखी। बता दें कि सोमवार को ऐसा ही मामला देखने को आया, एक निजी क्लीनिक पर उपचार कराने के लिए एक पिता अपने 3 वर्षीय बच्चे को उपचार कराने के लिए पहुंचा था, जिसके बाद सरकारी डॉक्टर ने उसे इस अस्पताल के लिए भेज दिया, जहां उचित व डॉक्टरों द्वारा सही इलाज न मिलने के चलते उसकी मौत हो गई।

जगदलपुर : बस्तर जिले में कोरोना के 88 नए मरीज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में कोरोना संक्रमण के मामले में मामूली कमी आयी है,लेकिन संक्रमण के कारण मौत का सिलसिला थम नहीं पा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रविवार को पांच कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत के साथ ही जिले में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा दो सौ पार हो गया। इस दिन नौ सौ टेस्ट में 88 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले। जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या एक हजार के आसपास पहुंच गई है। इस बीच यहां मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक संक्रमित नागेंद्र देवांगन की मृत्यु के बाद उनके परिजनों ने हंगामा कर दिया। इसी परिवार के दो सदस्यों की हाल के दिनों में मृत्यु हो चुकी है। दूसरी ओर अस्पताल के कर्मचारियों की ओर से की गयी शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक ही परिवार के चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पांच लीटर सैनेटाइजर से बनाते थे 800 लीटर नकली शराब

नाबालिग समेत चार गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में सामग्री बरामद

सागर, (एजेंसी)। कैंट थाना के पगारा रोड पर पुलिस ने सोमवार दोपहर एक मकान में दबिश देकर सैनिटाइजर से शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी है। आरोपी 5 लीटर सैनिटाइजर में पानी, यूरिया, कलर, नौसादर मिलाकर 800 बोतल शराब बनाते थे। शराब पीने के दौरान कोई भ्रम न रहे, इसके लिए नकली शराब में असली शराब की कुछ मात्रा मिला देते थे। शराब माफिया एक बोतल 200 रुपए में बेच देते थे। पुलिस ने मौके से एक नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से बड़ी मात्रा में नकली शराब बनाने की सामग्री जब्त की है।

कैंट पुलिस से मिली सूचना के अनुसार पगारा रोड स्थित एक मकान में सैनेटाइजर से नकली शराब बनाए जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने उक्त मकान पर दबिश देते हुए नकली शराब बनाते हुए आरोपी शहजाद कुरैशी (44), गिरीश राठौर (30), आकाश खटीख (27) और एक नाबालिग को पकड़ा है। साथ ही मौके से सैनिटाइजर, यूरिया, कलर, नौसादर, पानी और शराब आदि नकली शराब बनाने की सामग्री जब्त की है।

200 रुपए में बेच देते थे एक बोतल

थाना प्रभारी केंट समरजीत सिंह ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह सैनिटाइजर से नकली शराब बनाने का कार्य कर रहे थे। वह सैनिटाइजर में यूरिया, कलर, नौसादर, पानी और असली शराब की कुछ मात्रा मिलाकर बनाते थे। असली शराब वह खुशबू के लिए मिलाया करते थे। एक बोतल नकली शराब करीब 200 रुपए में ग्राहकों को बेचते थे।

महू में नौ लाख की शराब जब्त, एक महीने से रोजाना 150 पेटियां कर रहे थे सप्लाई

महू। कोतवाली पुलिस को नौ लाख रुपए की देशी मदिरा मय आरोपियों के पकड़ने में सफलता मिली। एएसपी गेहलोत के अनुसार पुलिस मुखबिर की सूचना पर गत 15 दिनों से अवैध शराब के वितरण को लेकर निगाह रख रही थी जो महू मानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, गौतमपुरा, इंदौर आदि इलाकों में शराब ढोते थे। गत एक माह से चल रहे उस धंधे में आरोपीगण देर रात अपने मिशन को शुरू कर सुबह 4 बजे तक पूरा निपटा लेते थे। रोजाना 100 से 150 देसी मदिरा शराब को ठिकाने के लिए कौन कहाँ से पेटी लेगा, कहाँ पहुंचाएगा, ये सब सुनियोजित होता थाए जिस पर पुलिस निगाह रख रही थी। इस लिंक को तलाशते अंततः 31 मई को कामयाबी मिल गई। पुलिस ने दो कारों को पीथमपुर से आते वक्त रोका। पूछताछ में डिजायर कार के चालक ने नाम कैलाश (45) एरोड्रम रोड इंदौर का निवासी बताया। दूसरा सुनील झोपे(34) निवासी प्रजापत नगर इंदौर है। जबकि दूसरी एसेंट कार में अनुज पवार (35) छत्रछाया पीथमपुर, अमन उर्फअम्मू यादव सुतारखेड़ी का निवासी होना बताया। तलाशी लेने पर डिजायर से 30 पेटी प्लेन और एसेंट से 20 पेटी अर्थात कुल 450 लीटर शराब कीमत कुल 8,91,250 रुपये पाई गई। आरोपियों ने बताया कि ये शराब अजय पिता मांगीलाल जायसवाल और बंटी पिता श्रीकृष्ण जायसवाल निवासी धरमपुरी से लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया। शराब तस्कर बंटी और अजय अभी फ़रार हैं।

एम्बुलेंस से टीबी के मरीज को रास्ते में उतारा, अस्पताल पहुंचते ही मौत

शिवपुरी में विवाद पर ड्राइवर की मनमानी

शिवपुरी, (एजेंसी)। एंबुलेंस ड्राइवर ने टीबी के मरीज और उसकी पत्नी को बीच सड़क पर ही उतार दिया। मरीज फोरलेन पर तड़पता रहा। पुलिस पहुंची और उसे अस्पताल ले गई, लेकिन मरीज ने तब तक दम तोड़ दिया।

मरीज को ग्वालियर से शिवपुरी लाया जा रहा था। इस दौरान मरीज के साथ उसकी महज 25 दिन की बेटी भी साथ थी। रास्ते में मामूली बात पर विवाद हुआ और एंबुलेंस ड्राइवर उन्हें बीच सड़क पर छोड़कर भाग गया। पत्नी रचना ने बताया कि बीमार नीरेंद्र जाटव ने ग्वालियर से शिवपुरी के शहपुरा आने के लिए 2 हजार रुपए में एंबुलेंस की। रास्ते में परेशान नीरेंद्र रोने लगा था। इसी बात को लेकर उसकी ड्राइवर की कुछ कहासुनी हो गई। इसी वजह से चालक उन्हें सड़क पर ही छोड़कर चला गया। नीरेंद्र फोरलेन पर ही काफी देर तक पड़ा रहा। उसकी अचानक से हालत बिगड़ी और वह तड़पते हुए अचेत हो गया। घटना शनिवार की बताई जा रही है। रविवार को इसका वीडियो सामने आया। पुलिस नीरेंद्र को लेकर सतनवाड़ा अस्पताल आई, जहां पर उसका प्राथमिक इलाज हुआ। फिर डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रैफर कर दिया। यहां पर लाते-लाते नीरेंद्र की मौत हो गई। नीरेंद्र जाटव (25) निवासी इंदार, शिवपुरी की शादी एक साल पहले रचना जाटव से हुई थी। इनकी 25 दिन की बेटी भी इस घटनाक्रम के दौरान साथ थी।

इंदौर-भोपाल डीआरआई जोनल यूनिट की बड़ी कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

आम के बोरों के बीच रखा था 6.19 करोड़ का गांजा

इंदौर (एजेंसी)।

डीआरआई की टीम ने आम की बोरियों के बीच छिपाकर लाए जा रहे छह करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का गांजा बरामद किया गया। माना जा रहा है कि इनसे पूछताछ में गांजे की तस्करी करने वाले किसी बड़े रैकेट का पर्दाफाश हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक राजस्व खुफिया निदेशालय ने इंदौर में गांजे की अब तक की सबसे बड़ी खेप पकड़ी है। आम के ट्रक में गांजा लाया जा रहा था। इस गांजे की कीमत 6.19 करोड़ बताई गई है। इनफारमेशन के बाद इंदौर जोनल यूनिट ने भोपाल यूनिट के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। तीन आरोपियों को गिरप्तार किया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। डीआरआई को पता चला था कि तीन संदिग्ध लोग आम की बोरियों के बीच ट्रक में गांजा ले जा रहे हैं। इसके बाद से डीआरआइ की टीम लगातार निगरानी कर रही थी। छानबीन के दौरान सागर के पास टीम ने राजस्थान के नंबर वाले एक संदिग्ध ट्रक को जांच के लिए रोका। तलाशी ली तो टीम दंग रह गई। ट्रक में ऊपर जमी आम की बोरियों के नीचे गांजे के पैकेट छिपाए गए थे।

गांजे के पैकेटों का वजन 3 हजार 92 किलोग्राम पाया गया। इसकी कीमत करीब 6.19 करोड़ रुपये आंकी गई है। डीआरआइ ने गांजे की खेप को बरामद कर जब्त कर लिया है। ट्रक में सवार तीनों लोगों ने गांजा रखने और परिवहन में अपनी-अपनी भूमिका कबूल कर ली है। तीनों व्यक्तियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को एनडीपीएस न्यायालय भोपाल के समक्ष पेश किया गया।

पुराने नोटों को नए में बदलने कर रहे थे तांत्रिक क्रिया, पांच धराए

3.76 लाख के पुराने नोट बरामद

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने पांच आरोपियों को पुराने 500 एवं 1000 के नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से पौने चार लाख कीमत के पुराने नोट बरामद हुए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये लोग तंत्र-मंत्र से पुराने नोटों को बदलने की प्लानिंग कर रहे थे। क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मानपुर क्षेत्र मे 5 व्यक्ति मानपुर में हाईवे किनारे पर बने मुंशी ढाबे के पीछे खेत मे बैठकर योजना बना रहे हैं उनके पास 500 व 1000 के ढेरों नोट जो चलन से बाहर हो चुके हैं। तंत्र मंत्र से उन नोटों के वर्तमान चलित 500 के नोटों मे बदलने के लिए योजना बना रहे हैं। क्राइम ब्रांच की टीम ने मुंशी ढाबे के पास जंगल क्षेत्र में छापा मारा वहां से पांच संदिग्धों को पकड़ा। इनके नाम अमृतलाल यादव ,भूपेन्द्र चौहान, लोकेश जाट, करण भील एवं रोहित जाट बताया। इनकी तलाशी लेने पर 3.76 लाख रुपए के पुराने नोट बरामद हुए। संदेहियो से पुराने बंद हुए उक्त भारतीय नोट के बारे मे पूछताछ करते कभी कह रहे थे कि तंत्र-मंत्र से इन्हें नए नोट में बदल देंगे तो कभी कुछ कभी कुछ बताने लगे काफी पूछताछ करने पर भी कोई संतोषप्रद उत्तर नहीं दे पाए।

73 दिन बाद प्रदेश में मिले सबसे कम 1205 मामले, रिकवरी रेट 96 प्रतिशत

47 दिन बाद 50 से कम मौतें

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में 49 दिन के कर्फ्यू के बाद एक जून से अनलॉक शुरू हो रहा है। उसके पहले प्रदेश में कोरोना की रफ्तार कर्फ्यू शुरू होने से पहले जैसी हो गई है। 24 घंटे में 1205 नए केस आए हैं। संक्रमितों का आंकड़ा 73 दिन बाद 12 सौ के करीब आया है। राहत की बात यह कि 47 दिन बाद 50 से कम मौतें दर्ज की गई हैं। पिछले 24 घंटे में 48 मरीजों ने दम तोड़ा है। ये मौतें केवल 10 जिलों में हुई हैं।

सोमवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक 30 मई को भोपाल सहित 32 जिलों में कोरोना से एक भी मौत दर्ज नहीं हुई। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 8 मौतें विदिशा में दर्ज की गई हैं। जबकि इस दौरान यहां 11 नए संक्रमित मिले हैं।

31 जिलों में 10 से भी कम मरीज

पिछले 24 घंटे में खंडवा में एक भी टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आई है, जबकि 31 जिलों में 10-10 से कम केस आए हैं। प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या घटकर 23390 हो गई है। 30 मई को 5023 मरीज कोरोना को मात देकर रिकवर हुए। प्रदेश का रिकवरी रेट 96 प्रतिशत के करीब आ गया वहीं पॉजिटिविटी रेट 2 प्रतिशत से कम हो गया है।

सीधी जिले में 8 जून तक बढ़ाया लॉकडाउन

सीधी। जिला आपदा प्रबंधन समिति एवं कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। कार्यालयीन आदेश अनुसार संपूर्ण जिले के नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रान्तर्गत मंगलवार दिनांक 01.06.2021 की प्रातः 6 बजे से 8.06.2021 की प्रातः 6 बजे तक संशोधित आदेश प्रभावी रहेगा।

खजुराहो 15 जून तक बंद

खजुराहो। भारतीय पुरातत्व विभाग दिल्ली द्वारा जारी आदेश में देश के पर्यटन स्थलों में शामिल खजुराहो के पश्चिमी मंदिर समूह के प्रवेश पर 15 जून तक के लिए रोक बढ़ा दी गई है।

मृत्यु प्रमाण पत्र पर कोविड से मौत न लिखा होने पर भड़के कांग्रेस विधायक

ग्वालियर, (एजेंसी)। कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक ने नगर निगम कार्यालय में हंगामा मचा दिया। उनका सवाल है जिसकी मौत कोरोना से हुई है उसके मृत्यु प्रमाण पत्र पर कोविड डेथ क्यों नहीं लिखा जा रहा है। उन्होंने बाल भवन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र विभाग में फिर नोडल ऑफिसर के दफ्तर में हंगामा कर सवाल जवाब किए। अफसरों पर एक जवाब देते नहीं बना। विधायक के साथ आधा सैकड़ा ऐसे लोग थे जिनके घर में किसी न किसी की कोविड से मौत हुई है, लेकिन प्रमाण पत्र पर कहीं नहीं लिखा। इस पर अफसरों का कहना है उन्होंने शासन से गाइडलाइन मांगी है कि किन दस्तावेजों के आधार पर प्रमाण पत्र पर कोविड डेथ लिखा जाए।

सोमवार शाम 4 बजे कुछ लोग डेथ सार्टिफिकेट बनवाने पहुंचे तो उन्हें प्रमाण पत्र तो दिए, लेकिन उसमें कोविड डेथ नहीं लिखा था। जब लोग परेशान हुए तो उन्होंने ग्वालियर दक्षिण से कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक को मामले की सूचना दी। कुछ ही मिनट में कांग्रेस विधायक पाठक नगर निगम के बाल भवन स्थित जन कल्याण शाखा के जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र विभाग के दफ्तर में पहुंच गए। विधायक ने वहां मौजूद कर्मचारियों को फटकार लगाई। उन्हें सार्टिफिकेट दिखाए और पूछा जिन्होंने कोविड से तड़प तड़पकर जान गंवाई उनके प्रमाण पत्र पर कहीं भी कोविड डेथ नहीं लिखा जा रहा, आखिर इसमें हर्ज ही क्या है।

अनूठी शादी: दो नेत्रहीन दिव्यांग बने एक दूजे का सहारा

सोहागपुर। दो नेत्रहीन दिव्यांग एक दूजे का सहारा और आसरा बन गए। यह अनूठी शादी वनांचल के ग्राम बिछुआ में हुई। जहां बेहद ही कम लोगों की मौजूदगी में जीवन भर साथ रहने की रस्में नेत्रहीन जोड़े ने पूरी कीं।

दूल्हा बिछुआ गांव का छोटेलाल उईके है तो दुल्हन बाबई विकासखंड के ग्राम जावली की रानी परनाम है। दोनों ही का विवाह संपन्न हुआ तो सारा ही गांव खुशी से झूम उठा। क्षेत्र का यह पहला मौका है जब दो दिव्यांगों का विवाह हुआ है। इस जोड़े की खासियत यह है कि दोनों ही नेत्रहीन होने के बावजूद सारे ही काम कर लेते हैं और दोनों ही जन्मजात नेत्रहीन है। शादी समारोह से दूर बैठे ग्रामीण बृजलाल सरियाम ने बताया छोटेलाल भले ही आंखों से नहीं देख सकता लेकिन वह अपने खेत के अधिकांश काम कर लेता है और उसी खेती की दम पर अपनी आजीविका चलाता है। तो ऐसी ही खासियत दुल्हन के विषय में सरपंच रामखिलावन उईके ने भी बताई और कहा कि रानी घर परिवार के अधिकांश काम कर लेती है हालांकि उसकी एक आंख पूरी तरह से खराब है लेकिन दूसरी से भी बहुत कम ही दिखता है।

परिवहन विभाग के 19 निरीक्षक बदले

ग्वालियर, (एजेंसी)। परिवहन विभाग मे लम्बे समय से तबादले की चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन कोरोना संक्रमण काल के कारण एक माह देरी से तबादला सूची जारी की गई। इस तबादला सूची में 19 परिवहन निरीक्षक व 9 उप निरीक्षक प्रभावित हुए हैं। मुरैना चेकपोस्ट की कमान टीपीएस को सौंपी गई है जबकि प्रवीण नाहर को मुलताई चेकपोस्ट का प्रभारी बनाकर भेजा गया है, वहीं सिंकदरा से रूप शर्मा को हटाकर उनको मुख्यालय भेज दिया है।

टीपीएस को मुरैना व नाहर को मुलताई चेपो प्रभारी बनाया

परिवहन आयुक्त मुकेश जैन के हस्ताक्षर से जारी तबादला सूची में परिवहन निरीक्षक वीरेश तुमराम को चेपो सेंधवा से खबासा चेपो प्रभारी बनाकर भेजा गया है। वहीं पहलवान सिंह भिलाला को चेपो खबासा से चेपो सेंधवा,दशरथ पटेल को परिवहन आयुक्त कार्यालय से संभागीय उप परिवहन आयुक्त कार्यालय इंदौर, रूप शर्मा को चेपो सिंकदरा से परिवहन आयुक्त कार्यालय, अजीत बाथम को चेपो खिलचीपुर से चेपो सौंसर एवं राजना, लालताराम सोनवानी चेपो मोतीनाला से चेपो खिलचीपुर, किशोर सिंह बघेल चेपो मालथौन से चेपो पिटोल, अलीम खान, चेपो पिटोल से चेपो चाकघाट, आरबी सिंह चेपो चाकघाट से प्रभारी संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड जबलपुर,विवेक दांते चेपो हनुमान से चेपो मालथौन, प्रमोद कापसे चेपो मुलताई से परिवहन आयुक्त कैम्प कार्यालय भोपाल, भेजा गया है।

वहीं जगदीश उईके परिवहन आयुक्त कार्यालय से चेपो सिकंदरा, रामसिया चिकवा चेपो नयागांव से आयुक्त कार्यालय ग्वालियर, अश्विनी खरे आयुक्त कार्यालय से चेपो नयागांव, तरुणपाल सिंह भदौरिया परिवहन आयुक्त कार्यालय ग्वालियर से मुरैना चेपो, सचदेव सिंह सिकरवार मुरैना चेपो से परिवहन आयुक्त कार्यालय, संजय श्रीवास्तव जिपअ सतना यथावत, सीएस खरे कैम्प कार्यालय भोपाल से चेपो मझगंवा, प्रवीण नागर परिवहन आयुक्त कार्यालय से चेपो मुल्ताई, अदनानाका प्रभारी बनाकर भेजा गया है। इसके साथ ही 9 उप निरीक्षकों के साथ ही सहायक उप निरीक्षक एवं प्रधान आरक्षकों को भी बदला गया है।

कोरोना से जंग जीतकर लौटी महिला को पति-बेटी ने पीटा

छिंदवाड़ा। कोरोना की जंग जीतकर घर लौटी महिला से उसके पति और बेटी ने मारपीट की। महिला ने अपने पति और बेटी पर थाने में मामला दर्ज कराया है। दरअसल होटल जेपी इन के पीछे रहने वाली शोभना पटौरिया कोरोना संक्रमित थी। उनका पिछले 17 दिनों से एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। जब वो अपने घर लौटी तो उसके पति संजय पटौरिया और बेटी वंशिका पटौरिया शोभना से इलाज में खर्च हुए पैसे की बात को लेकर विवाद करने लगे।

पीड़ित महिला के मुताबिक विवाद इतना बढ़ गया कि उसके पति और बेटी ने उस पर जानलेवा हमला कर दियाए बाद में वो अपनी जान बचाकर वहां से निकली, पहले उपचार कराया और ऑक्सीजन मास्क लगाकर कोतवाली पहुंची जहां उसने पति ओर बेटी की शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पति और बेटी ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला किया और मारपीट की।

आदेश एचडीयू,आईसोलेशन का 7 हजार 3 सौ, आईसीयू का दस हजार रुपए तथा वेंटीलेटर का 17 हजार रुपए निर्धारित

कोरोना उपचार दर आज से की जाए लागू: हाईकोर्ट

जबलपुर (एजेंसी)।

निजी अस्पतालों में कोरोना उपचार की दर निर्धारित किए जाने के मामले में दायर याचिका पर मप्र उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को उपचार की दर एक जून से लागू करने के आदेश दिए हैं।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मोहम्मद रफीक तथा जस्टिस अतुल श्रीधरन की युगलपीठ को सरकार की तरफ से बताया गया कि आदेश का परिपालन करते हुए निजी अस्पताल के लिए कोरोना उपचार की दर निर्धारित कर दी गयी है। प्रदेश में अगामी 10 जून से निर्धारित दर लागू कर दी जाएगी। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद निर्धारित दर को प्रदेश में मंगलवार एक जून से लागू करने आदेश जारी किए हैं। याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से युगलपीठ को बताया कि पूर्व के आदेश का परिपालन करते हुए निजी अस्पतालों के लिए कोरोना उपचार दर का निर्धारण कर दिया गया है। निर्धारित दर के अनुसार जनरल वार्ड,आईसोलेशन का चार्ज 5 हजार रुपए निर्धारित की है। एचडीयू,आईसोलेशन का 7 हजार 3 सौ, आईसीयू का दस हजार रुपए तथा आईसीयू के साथ वेंटीलेटर का 17 हजार रुपए निर्धारित किया गया है।

निर्धारित दर में बेड व नर्सिंग चार्ज के आलावा ड्यूटी डॉक्टर की फीस, ऑक्सीजन व पीपीई किट, फिजियो व आदि चार्ज शामिल रहेंगे। निर्धारित दर में मरीजों के देखने के लिए बाहर से बुलाए गए स्पेशलिस्ट, कोविड व अन्य जांच, सर्जिकल उपकरण, कोरोना संबंधित दवाईया के दाम शामिल नहीं है। सरकार द्वारा निर्धारित दर प्रदेश में 10 जून से लागू कर दिए जाएगे।

सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने सरकार से पूछा की बेबसाइड में कई निजी अस्पतालों ने सरकार द्वारा निर्धारित दर से कम दाम का उल्लेख है। सरकार द्वारा बताया कि उन निजी अस्पतालों ने अप्रत्यक्ष व्यय का उल्लेख नहीं किया है। निर्धारित दर से अधिक राशि लेने वाले अस्पतालों पर कार्यवाही के संबंध में पूछे गए सवाल पर युगलपीठ को बताया गया कि म प्र पब्लिक हेल्थ एक्ट सहित अन्य एक्ट सहित एक्ट में दिये गये प्रावधानों के तहत दर का निर्धारण किया गया है। एक्ट में दिए गए प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। युगलपीठ ने सरकार द्वारा निर्धारत दर एक जून से लागू करने आदेश जारी किए हैं।

34 जिलों में कब लगेगी सीटी स्कैन

जबलपुर। प्रदेश के 34 जिलों में सीटी स्कैन मशीन कब-तक स्थापित हो जाएगी। इस संबंध में हाईकोर्ट ने सरकार को रूपरेखा पेश करने के निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस मोह. रफीक व जस्टिस अतुल श्रीधरन की युगलपीठ ने मामले में निर्देशित किया है कि एपीएल वर्ग के मरीजों से सीटी स्कैन के 934 रुपए तथा जीएसटी राशि वसूली जाए। याचिका में अगली सुनवाई 10 जून को है। यह जनहित याचिका कटनी मुड़वारा के एनयूएसआई जिलाध्यक्ष दिव्यांशू उर्फ अंशु मिश्रा की ओर से दायर थी। कटनी जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन के लिए वर्ष 2017 में टेंडर निकाला था। वर्ष 2018 में सीटी स्कैन मशीन लगाने का ठेका मेसर्स सिद्धार्थ एमआरआई एण्ड सीटी स्कैन कंपनी को दिया था। संबंधित कंपनी को कटनी के साथ ही मण्डला, रतलाम, बालाघाट, मंदसौर, शाजापुर, धार, खंडवा और शहडोल के जिला अस्पतालों में सीटी स्कैन मशीन लगाने का ठेका मिला था, लेकिन कंपनी ने अब तक एक भी जिले में सीटी स्कैन मशीन नहीं लगाई है। याचिका पर पूर्व में हुई सुनवाई पर न्यायालय ने सभी जिलों में अप्रैल 2021 में मशीन स्थापित करने के निर्देश दिए थे।

प्रेमी का सिर मुंडाया और जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया

प्रेमिका को मोबाइल गिफ्ट करने गया था

जबलपुर,(एजेंसी)। चरगवां थानांतर्गत दामनखमरिया गांव में एक युवक को दूसरी जाति की किशोरी से प्यार करना महंगा पड़ गया। किशोरी के परिजनों ने प्रेमी और उसके दोस्त को घर बुलाया, जहां प्रेमी का मुंडन किया फिर जूता चप्पल की माला पहनाकर मारपीट कर दी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

चरगवां पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बरगी सीएसपी रवि चौहान ने बताया कि घटना 22 मई की बताई जा रही है, जहां पांच दिन बाद 27 मई को पीड़ित द्वारा मामले की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई। पीड़ित राजकुमार मेहरा ने शिकायत दर्ज कराई कि वह दामन खमरिया गांव में रहता है और वह गांव की ही एक यादव समाज की लड़की से प्रेम करता है और लड़की ने बात करने के लिए लड़के से मोबाइल मांगा। लड़के ने चोरी छुपे अपने साथी के साथ जाकर लड़की को मोबाइल दे दिया। इसकी भनक परिवार वालों को लगते ही गांव से ही लड़के को पकड़ कर अपने घर ले आए और पहले तो लड़के का सिर मुंडन किया उसके बाद जूते और चप्पलों की माला पहनाकर गांव में घुमा दिया।

धर्मशाला। अनुराग ठाकुर ने ऑक्सीजन बैंक को सराहने के लिए जेपी नड्डा एवं जयराम का आभार जताते हुए।

साल के अंत तक सभी वयस्कों को लगेगा कोरोना टीका : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि इस साल के अंत तक देश में सभी वयस्क लोगों को कोराना वैक्सीन का टीका लग जाएगा। सरकार ने कहा कि उसे भरोसा है कि 2021 के अंत तक सभी लोगों को टीका लगाने का अभियान पूरा कर लिया जाएगा। कोर्ट ने टीकाकरण को लेकर मामले की सुनवाई करते हुए कोविन पोर्टल पर अनिवार्य रजिस्ट्रेशन को लेकर भी सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए कोविन पर रजिस्ट्रेशन कराने में ग्रामीण इलाकों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कोरोना के मैनेजमेंट को लेकर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे संकट के दौर में केंद्र सरकार को पूरे देश के लिए वैक्सीन की खरीद करनी चाहिए। अदालत ने कहा कि वैक्सीन की खरीद को लेकर राज्य सरकारें परेशान हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को सभी राज्यों के लिए टीके खरीदने चाहिए ताकि पूरे मामले को लेकर स्पष्टता रहे। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने देश की पूरी आबादी को वैक्सीन लगाने के अपने प्लान के बारे में बताया और कहा कि जल्दी ही देश की डिमांड के मुताबिक वैक्सीन का उत्पादन शुरू हो जाएगा। सुनवाई के दौरान सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, भारत बायोटेक और रेड्डीज लैब की मैन्युफैक्चरिंग के जरिए ही देश में 18 साल से अधिक आयु की समस्त आबादी को टीका लग सकेगा। देश में टीकों की कमी की खबरों को लेकर केंद्र सरकार ने कहा कि इस तरह के संकट में केंद्र सरकार को कमान संभालनी चाहिए और दुनिया भ से वैक्सीन की खरीद करनी चाहिए। बता दें कि कई राज्य सरकारों और बीएमसी जैसे स्थानीय निकायों ने वैक्सीन की खरीद के लिए टेंडर जारी किए थे, लेकिन विदेशी वैक्सीन कंपनियों की ओर से कोई रुचि ही नहीं जताई गई।

ओवैसी पर भड़के योगी के मंत्री

मुजफ्फरनगर। यूपी के मुजफ्फरनगर जिले में मस्जिद में अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण को लेकर एआईएमआईएम सासंद असदुद्दीन ओवैसी की टिप्पणी पर योगी सरकार के राज्यमंत्री ने निशाना साधा है। राज्य के कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि ओवैसी मुजफ्फरनगर की जनता को भड़काने का काम ना करें। मुजफ्फरनगर की जनता आपसी भाईचारे के साथ मुजफ्फरनगर को पटरी पर लाने का काम कर रही है, लेकिन ओवैसी मुजफ्फरनगर में दंगा भड़काने की नाकामयाब कोशिश कर रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी अपनी राजनीति हैदराबाद में करें ना कि उत्तर प्रदेश में, उनका चेहरा बेनकाब हो चुका है और मुस्लिम समाज ने भी उन्हें नकार दिया है। कपिल देव ने आगे कहा, ओवैसी अपनी नौटंकी बंद करें क्योंकि मुस्लिमों में उनका चेहरा बेनकाब हो चुका है। असदुद्दीन ओवैसी में हिम्मत है तो वह मुजफ्फरनगर आएं और यहां की हकीकत जाने। मुजफ्फरनगर में हिंदू-मुस्लिम सभी मिलजुल कर साथ रह रहे हैं और असदुद्दीन ओवैसी की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। वह हैदराबाद की चिंता करें। ओवैसी ने हाल ही में ट्वीट कर कहा था कि यूपी के खतौली, मुजफ्फरनगर में मस्जिद को एसडीएम इन्द्रकांत द्विवेदी ने शहीद कर दिया। मस्जिद वक़्फ़ की जमीन पर बनाई गयी थी। 5 महीनों से मस्जिद में नमाज अदा की जा रही थी। लॉकडाउन में भी नमाज पढ़ी जा रही थी। मस्जिद को शहीद करने से पहले मुतवल्ली से वक़्फ़ के कागजात तक नहीं मांगे गए। बाराबंकी के बाद ये दूसरी मस्जिद है जो यूपी में शहीद कर दी गयी है। बाराबंकी में मस्जिद को शहीद इस बहाने से किया गया की मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी है हालांकि मस्जिद के ज़िम्मेदारों के पास वक़्फ़ के तमाम कागजात थे।

देशभर में 23 करोड़ से अधिक टीके उपलब्ध कराये गए

नई दिल्ली। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में, भारत सरकार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके उपलब्ध कराने के जरिये उनकी सहायता करती रही है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा टीकों की प्रत्यक्ष खरीद को भी सुगम बनाती रही है। टीकाकरण टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट एवं कोविड समुचित बर्ताव के साथ-साथ महामारी के नियंत्रण तथा प्रबंधन के लिए भारत सरकार की व्यापक रणनीति का एक अंतरंग हिस्सा है। कोविड-19 टीकाकरण की उदार और त्वरित चरण-3 रणनीति का कार्यान्वयन 1 मई, 2021 से आरंभ हुआ है। इस रणनीति के तहत, प्रत्येक महीने किसी भी विनिमार्ता की सेंट्रल ड्रग लैबोरेट्री (सीडीएल) स्वीकृत टीकों के 50 प्रतिशत की खरीद भारत सरकार द्वारा की जाएगी। यह राज्य सरकारों को पूरी तरह निःशुल्क रूप से इन टीकों को उपलब्ध कराना जारी रखेगी जैसा कि यह पहले से ही करती रही है। भारत सरकार ने अभी तक निःशुल्क श्रेणी और प्रत्यक्ष राज्य खरीद श्रेणी, दोनों के ही जरिये राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 23 करोड़ से अधिक (23,11,68,480) टीके उपलब्ध कराये हैं। इनमें से, अपव्यय सहित कुल उपभोग 21,22,38,652 टीकों (आज सुबह 8 बजे तक उपलब्ध डाटा के अनुसार) का हुआ है। राज्यों के पास अभी भी लगाये जाने के लिए 1.75 करोड़ से अधिक (1,75,48,648) कोविड टीके उपलब्ध हैं। 2.73 लाख से अधिक (2,73,970) टीके प्रक्रिया में हैं और अगले तीन दिनों के भीतर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्राप्त कर लिये जाएंगे।

ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से जरूरतमंद कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया कला-जगत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना महामारी की भयावह लहर के बीच कई संगठन और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग जरुरतमंद लोगों की आगे आकर मदद कर रहे हैं। ऐसे में कला जगत से जुड़े लोग भी अपनी कलाकृतियों की ऑनलाइन बिक्री कर महामारी का प्रकोप झेल रहे लोगों के लिए कोष जुटा रहे हैं। प्रसिद्ध कलाकार सुबोध गुप्ता और कलाकृतियों की नीलामी करने वाली दिग्गज कंपनी सैफ्रनआर्ट से लेकर ऑनलाइन मार्केटप्लेस चित्रकार और वदेहरा आर्ट गैलरी ने जरुरतमंद कलाकारों के अलावा पारंपरिक शिल्पकारों की मदद करने के लिए एक साझा पहल की है। इसके तहत कलाकार भारती खेर और उनके पति सुबोध गुप्ता द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की एक जून को बिक्री की जाएगी। खेर ने अपने एक बयान में कहा कि भारत में पिछले कुछ सप्ताह हर परिवार को किसी न किसी रूप में बेहद परेशान करने वाले रहे हैं।

देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण हम सभी किसी न किसी रूप में प्रभावित हुए हैं। दोनों कलाकारों ने अपनी वेबसाइट पर कलाकृतियों की बिक्री के जरिए एक करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद जताई है। यह धनराशि हेमकुंड फाउंडेशन और गूंज जैसे गैर-लाभकारी संगठनों को दी जाएगी। इसके अलावा मुंबई में स्थित ऑनलाइन नीलामी करने वाला संगठन प्रिंसेप्स मॉडर्न आर्ट सेल की ओर से जून के दूसरे पखवाड़े में एक ऐसी ही मुहिम शुरू की जाएगी।

दिल्ली स्थित वदेहरा आर्ट गैलरी और कलाकार शिल्पा गुप्ता ने कलाप्रेमियों और कला को संरक्षण देने वाले लोगों से आई वांट टू लिव विद नो फियर नामक एक फोटो के लिए कम से कम 50 हजार रुपये दान देने की अपील की। यह धनराशि मुंबई के चेम्बुर में स्थित एमएए अस्पताल को दी गई। सैफ्रनआर्ट की ओर से जारी वक्तव्य के मुताबिक मई के दूसरे सप्ताह में की गई नीलामी के जरिए दो करोड़ एकत्र किए गए। पूरी धन राशि दस्तकार, एफआईसीए, खोज और स्ट्रीट सर्वाइवर जैसे गैर सरकारी संगठनों को दी गई ताकि जरूरतमंदों को दवाएं एवं आवश्यक सामान मुहैया कराई जा सके।

कुशीनगर। लापरवाही पर जिलाधिकारी ने लगाई फटकार।

सफल हुआ सांसद का प्रयास, केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण के लिए 2157.63 लाख स्वीकृत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजनांदगांव से भाजपा सांसद संतोष पांडेय लगातार अपने संसदीय क्षेत्र में सक्रियता के लिए जाने जाते हैं। इन सब के बीच सांसद की एक पहल ने एक बार फिर से रंग लाई है। सांसद का प्रयास उस समय कारगर साबित हुआ जब केंद्र सरकार ने केंद्रीय विद्यालय भवन के लिए 2157.63 लाख स्वीकृति प्रदान कर दी। यह राशि सर्वसुविधायुक्त विद्यालय भवन के निर्माण में खर्च होगा। बता दें कि वर्तमान में कवर्धा में केंद्रीय विद्यालय भवन ना होने के कारण करपात्री स्टेडियम स्थित भवन में विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में देखे तो महाराजपुर में नए भवन निर्माण का प्रस्तावित प्लान है। इससे पहले सांसद संतोष पांडेय ने भवन निर्माण का शिलान्यास भी कर दिया है। कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक भी शामिल हुए थे।

संतोष पांडेय ने बताया कि इस राशि को स्वीकृत कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे और यही कारण है कि केंद्र सरकार की ओर से विद्यालय भवन के निर्माण के लिए बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। संतोष पांडेय ने बताया कि इस राशि से सर्वसुविधायुक्त विद्यालय भवन का निर्माण होगा ही, साथ ही साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए हर तरह की सुविधा रखने का प्रयास होगा। इसमें 12 क्लास रूम होंगे, कंप्यूटर लैब होंगे, साइंस लाइफ होंगे, बायो लैब होंगे, फिजिक्स लैब होंगे, केमिस्ट्री लैब होंगे, प्राचार्य रूम होगा, प्रधान पाठक रूम होगा, स्टाफ रूम होगा, ऑफिस मेडिकल रूम होगा, आर्ट रूम होगा, हॉल होगा, ग्राउंड होगा, बाउंड्री वॉल होगा और 9 स्टाफ क्वार्टर होंगे। लाइब्रेरी भी होगा और इसके अलावा अन्य प्रकार की चीजें भी इस भवन निर्माण में शामिल रहेंगे। सांसद संतोष पांडेय ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक का आभार व्यक्त किया है।

श्रम मंत्रालय ने कोविड-19 से मरने वाले श्रमिकों के आश्रितों के लिए बड़ी सामाजिक सुरक्षा राहत की घोषणा की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ईएसआईसी और ईपीएफओ योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों के लिए अतिरिक्त लाभों की घोषणा की है, जिससे कोविड-19 महामारी के चलते मौत की घटनाओं में बढ़ोतरी के कारण उनके परिवार के सदस्यों की बेहतरी के बारे में श्रमिकों के डर और चिंता का समाधान किया जा सके। नियोक्ता के हिस्से में अतिरिक्त खर्च डाले बगैर कर्मचारियों को ज्यादा सामाजिक सुरक्षा दिलाने की उम्मीद की गई है। वर्तमान में ईएसआईसी के तहत बीमित व्यक्तियों (आईपी) के लिए, मौत या काम की वजह से चोट के कारण बीमित व्यक्ति की अक्षमता के बाद श्रमिक की औसत दैनिक मजदूरी के 90 फीसदी के बराबर पेंशन पति या पत्नी और विधवा मां को जीवनभर के लिए और बच्चों के लिए 25 वर्ष की उम्र होने तक के लिए उपलब्ध है। वहीं, बच्ची (लड़की) के लिए यह उनकी शादी होने तक के लिए है। ईएसआईसी योजना के तहत बीमित व्यक्तियों (आईपी) के परिवारों की सहायता करने के लिए, यह निर्णय लिया है कि आईपी के परिवार के सभी आश्रित सदस्य जो ईएसआईसी के ऑनलाइन पोर्टल में कोविड बीमारी के निदान और इस रोग के कारण बाद में मौत से पहले पंजीकृत हैं, उन्हें भी काम के दौरान मरने वाले बीमित व्यक्तियों के आश्रितों को प्राप्त होने वाले लाभ और इसे समान स्तर पर ही हासिल करने के हकदार होंगे।

सरकार 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं पर दो दिन में करेगी फैसला : अटॉर्नी जनरल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय को सोमवार को बताया कि सरकार कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने या नहीं करने के बारे में आगामी 2 दिन में अंतिम फैसला करेगी। अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की पीठ को यह जानकारी दी। पीठ ने कहा कि यदि केंद्र वैश्विक महामारी के कारण शेष बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की पिछले साल की नीति से अलग फैसला करता है, तो उसे इसका ठोस कारण देना होगा। पीठ ने वेणुगोपाल से कहा, कोई समस्या नहीं है। आप फैसला कीजिए। आपको ऐसा करने का अधिकार है। यदि आप पिछले साल की नीति से अलग फैसला करते हैं, तो आपको इसका ठोस कारण देना होगा। उसने कहा कि पिछले साल सोच-समझकर निर्णय लिया था।

अदालत ने कहा, यदि आप इस नीति से अलग फैसला करते हैं, तो कृपया हमें इसका ठोस कारण दीजिए, ताकि हम समीक्षा कर सकें। पीठ मौजूदा हालात के मद्देनजर भारतीय विद्यालय प्रमाण-पत्र परीक्षा परिषद (सीआईएससीई) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं कक्षा की परीक्षाएं रद्द करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पिछले साल एक जुलाई से 15 जुलाई तक होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को रद्द करने के लिए सीबीएसई और सीआईएससीई की योजनाओं को 26 जून, 2020 को मंजूरी दे दी थी और परीक्षार्थियों के आकलन संबंधी फॉमूर्ला को भी स्वीकृति दे दी थी।

शुरूआत में अटॉर्नी जनरल ने पीठ से कहा, सरकार आगामी दो दिन में अंतिम फैसला करेगी। हम उम्मीद करते हैं कि आप हमें बृहस्पतिवार (तीन जून) तक का समय देंगे, ताकि हम अंतिम आदेश के साथ पेश हो सकें। वेणुगोपाल ने कहा कि पिछले साल मार्च 2020 में राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन लगाए जाने से पहले की कुछ विषयों की बोर्ड परीक्षा हो गई थी। पीठ ने कहा, हम इस चरण पर बारीकियों में नहीं जाना चाहते। आप फैसला कीजिए। याचिकाकर्ता ने उम्मीद जताई है कि पिछले साल की नीति इस साल भी अपनाई जा सकती है। यदि आप इस नीति से अलग फैसला करते हैं, तो आपके पास इसका ठोस आधार होना चाहिए। इस पर वेणुगोपाल ने कहा, आपने जो कहा है, हम उसका ध्यान रखेंगे। पीठ ने कहा, हमें कोई दिक्कत नहीं है। आप हालात केआधार पर उचित फैसला करें। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ममता शर्मा ने परिणाम में देरी होने की स्थिति में उन छात्रों के सामने समस्या पैदा हो सकने का मामला उठाया, जो 12वीं कक्षा के बाद पढ़ाई के लिए विदेश जाना चाहते हैं।

स्टारडस्ट के कवर पेज पर फोटो देख भावुक हुए सोनू, याद आए पुराने दिन जब ऑडिशन में हो गए थे रिजेक्ट

मुंबई, (एजेंसी)। कोरोना संकट ने लोगों को घरों में कैद रहने को मजबूर किया, तो कई प्रवासी मजदूरों के लिए सोनू सूद मसीहा बनकर सामने आए। कुछ लोगों ने उन्हें रियल हीरो कहा तो कोई उन्हें भगवान मानने लगा। प्रवासी मजदूरों, कामगारों और बाहर पढ़ रहे बच्चों को उन्होंने लॉकडाउन के बीच देश में सुरक्षित उन्हें उनके घरों तक पहुंचाने का काम किया।

नेकी के इस काम के लिए उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। अब सोनू सूद को मशहूर फिल्म मैगजीन स्टारडस्ट के अप्रैल इशू के कवर पर प्रकाशित किया है। पत्रिका के कवर पेज पर अपनी तस्वीर देखकर सोनू सूद को अपने पुराने दिन याद आ गए। सोनू ने अपने ट्विटर पर स्टारडस्ट के कवर पेज को शेयर किया है। जिसमें वह पोज देते नजर आ रहे हैं। मैगजीन पर लिखा है क्या रियल हीरो सोनू सूद ने दूसरे रील हीरोज से मार्च छीन लिया है अभिनेता ने पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि सालों पहले उन्होंने स्टारडस्ट मैगजीन शूट के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन वह रिजेक्ट हो गए थे। सोनू ने लिखा वह दिन ऐसा था, जब मैंने पंजाब से स्टारडस्ट के ऑडिशन के लिए अपनी तस्वीरें भेजी थीं, लेकिन मैं रिजेक्ट हो गया था। आज मैं स्टारडस्ट के इस प्यारे से कवर के लिए शुक्रिया कहता हूं। आभार। इससे पहले रील हीरो से रियल हीरो बने सोनू सूद को फोर्ब्स की तरफ से लीडरशिप अवार्ड 2021 दिया गया। सोनू सूद को कोविड-19 हीरो बताया गया था। उन्होंने ट्रॉफी की तस्वीर ट्वीट कर इस अवार्ड के लिए हाथ जोड़कर आभार जताया था।

बस्ती। महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जयन्ती पर पर समाजवादियों ने किया नमन।

कोरोनाकाल में खून की कमी होने से थैलेसीमिया मरीजों की मुश्किलें बढ़ीं

पटना, (एजेंसी)। बिहार में कोरोना वायरस के मामलों में भले ही गिरावट देखने को मिल रही है, लेकिन इस महामारी और लॉकडाउन चलते दूसरे मरीजों की परेशानियां बढ़ गई हैं। बिहार के ब्लड बैंक खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसकी वजह से थैलेसीमिया और दूसरे मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। ऐसा इसलिए हो रहा क्योंकि रक्तदान के लिए अब बहुत कम ही लोग ब्लड बैंक आ रहे हैं, जिसकी वजह से अधिकांश अस्पतालों में खून की कमी हो रही है। थैलेसीमिया एक ब्लड डिसॉर्डर है, जिसके कारण शरीर में सामान्य से कम हीमोग्लोबिन होता है। इससे संक्रमित मरीजों को हर 15-20 दिनों में खून चढ़ाने की जरूरत होती है। लेकिन ब्लड डोनेशन कैंप में कमी की वजह से ब्लड बैंकों और अस्पतालों में खून का स्टॉक प्रभावित हुआ है।

राज्य के अधिकांश ब्लड बैंक रिप्लेसमेंट के आधार पर खून की आपूर्ति करते हैं। हालांकि, गाइडलाइन के मुताबिक थैलेसीमिया के मरीजों को बिना रिप्लेसमेंट के ही ब्लड दिया जाना चाहिए। मुजफ्फरपुर के मुशहरी प्रखंड में पांच साल के एक बच्चे को 19 महीने की उम्र से ही 400 यूनिट से ज्यादा ब्लड की जरुरत हो रही है। लॉकडाउन के दौरान जब लोग रक्तदान से डर रहे हैं तो बच्चे के परिजनों के लिए खून की व्यवस्था करना आसान नहीं है। बच्चे के पिता, रोहित गुप्ता (34) ने बताया कि उनके बेटे को 10 मई को एबी प्लस ब्लड चाहिए था, अब फिर खून की जरुरत है। हालांकि, ब्लड डोनर नहीं मिलने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोग रक्तदान करने के लिए तैयार नहीं हो रहे, ऐसा इसलिए क्योंकि ब्लड बैंक निगेटिव कोविड रिपोर्ट मांग रहे हैं। थैलेसीमिया कार्ड होने के बावजूद, मुझे रक्तदान किए बिना कभी ब्लड नहीं मिलता है।

हालांकि, सरकार और प्रशासन की ओर से लगातार लोगों को ब्लड डोनेट करने की अपील की जा रही है। इस बीच पूर्णिया के डीएम राहुल कुमार ने रक्तदान किया और लोगों से भी ऐसा ही करने और लोगों की जान बचाने की अपील की। उन्होंने ट्वीट किया कोरोना ने अस्पतालों में खून की आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है और थैलेसीमिया रोगी, जिन्हें नियमित खून की आवश्यकता होती है, उन्हें इसकी सख्त जरूरत होती है। ऐसे में कृपया रक्तदान करें और जीवन बचाएं।

सुचित्रा सेन की नवासी होना भार ‘छोटी सी बात‘ के लिए फिल्म से हुई थी बाहर

ऐक्ट्रेस राइमा सेन इन दिनों ओटीटी पर रिलीज हुई सुपरनैचरल पावर पर बेस्ड सीरीज ‘द लास्ट आवर‘ को लेकर चर्चा में हैं। इंडस्ट्री में 23 साल बिता चुकीं राइमा का मानना है कि नानी सुचित्रा सेन की विरासत उनके लिए जिम्मेदारी के साथ-साथ भार भी रही है मगर ओटीटी प्लैटफॉर्म के आने से अब उन्हें कई दमदार रोल्स मिल रहे हैं।

आपके पिता लंबे समय तक कोविड के कारण अस्पताल में भर्ती थे, उस मुश्किल दौर को आपने कैसे हैंडल किया?

‘पिछले साल दिसंबर में पापा का कोविड केस सीरियस हो गया था। वह एक हफ्ते तक अस्पताल में भर्ती थे। असल में जब तक कोविड घर पर नहीं आया था, तब तक मुझे लगता था कि हमें तो कोरोना हो ही नहीं सकता और पापा-मम्मी को तो होने का सवाल ही नहीं है क्योंकि वे बाहर आते-जाते नहीं हैं। जब पापा इसकी गिरफ्त में आए तो लगा कि कोरोना कितनी खतरनाक बीमारी है। जब तक कोविड आपके अपने किसी अपने को नहीं होता, तब तक आप उसकी भयावहता का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। पहले मैंने कोरोना को इतनी गंभीरता से नहीं लिया था मगर अब मैं बहुत डरती हूं कि घर में किसी को यह महामारी ना हो जाए। अभी पापा ठीक हैं, घर पर हैं लेकिन अब भी उन्हें कभी-कभी काफी वीकनेस हो जाती है। मैं अपने पैरंट्स के साथ रहती हूं तो उनके संक्रमित हो जाने का डर हमेशा बना रहता है, इसलिए अब मैं बहुत ज्यादा सावधानी बरतती हूं।‘

वेस्ट बंगाल में हाल ही में सीएम ममता बनर्जी ने मिनी लॉकडाउन लगा दिया है। क्या कहना चाहेंगी?

‘मुझे लगता है राज्य में मेन फोकस ऑक्सीजन, बेड और वैक्सीन पर होना चाहिए मगर कोरोना के बढ़ते केस पर अगर लॉकडाउन से रोक लग सकती है तो फिर लॉकडाउन जरूरी हो जाता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोगों का रोजगार छिन रहा है, लोग भूख से मर रहे हैं मगर पश्चिम बंगाल में अभी तक लॉकडाउन नहीं था, दिल्ली-मुंबई में रहा है। मुझे लगता है कि केस बहुत बढ़े होंगे शायद और इसीलिए लॉकडाउन लगाया गया है। लोग जब सुन ही नहीं रहे हैं तो उनके लिए यही उपाय बचता है।‘

‘गॉडमदर‘ से लेकर शुरू हुए अपने 23 साल के सफर को कैसे देखती हैं?

‘मैं अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि अपनी पहली ही फिल्म ‘गॉडमदर‘ में मुझे विनय शुक्ला जैसे डायरेक?टर और शबाना आजमी जैसी ऐक?ट्रेस के साथ डेब?यू करने का मौका मिला। फिल्म को नैशनल अवॉर्ड मिला। मुझे क्रिटिकली अक्लेम मिला तो बहुत आसानी से मेरा सफर शुरू हुआ। मैं 23 वर्षों तक इंडस्ट्री में इसलिए भी टिक पाई कि मैंने सिर्फ हिंदी फिल्म जगत नहीं बल्कि बंगाली इंडस्ट्री पर भी फोकस किया। मुझे जब अच्छी हिंदी फिल्मों में काम नहीं मिला तो मैंने सार्थक बंगाली सिनेमा किया। मैं कोलकाता में रही। मेरे लिए मेरा घर, सुचित्रा सेन (उनकी नानी और जानी-मानी अभिनेत्री) और मुनमुन सेन (उनकी अभिनेत्री मां) का नाम एक बैकअप की तरह रहा।‘

सुना है कि ओटीटी के लिए बनी फिल्म ‘द लास्ट आवर‘ के लिए आपने पहली बार स्क्रीन टेस्ट दिया?

‘हां, सब कुछ बहुत अचानक हो गया। डायरेक्टर अमित कुमार ने मुझे इस सुपरनैचरल फिल्म के प्रस्ताव के साथ स्क्रीन टेस्ट देने की पेशकश की। मैंने कहा कि मैं स्क्रीन टेस्ट नहीं देती। उन्होंने कहा कि वह कोलकाता स्थित मेरे घर आ जाएंगे और स्क्रीन टेस्ट ले लेंगे। वह मुझसे मिलने आए तो मैंने उनसे कहा कि मैं मुंबई आ रही हूं, वहीं आकर स्क्रीन टेस्ट देती हूं। उनके जाने के बाद मैंने उनकी ‘मॉनसून शूटआउट‘ देखी और उसके बाद मैंने तय किया कि मैं इस डायरेक्टर के साथ काम करूंगी। मैं मुंबई आई और मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया। मैं लकी हूं कि अच्छी-अच्छी भूमिकाएं मुझे अचानक ही मिल गईं। ‘चिल्ड्रन ऑफ वॉर‘ का प्रस्ताव भी मुझे तब मिला जब मैं मुंबई में थी।‘

‘द लास्ट आवर‘ सुपरनैचरल विषय पर आधारित है। क्या आप पैरानॉर्मल या सुपरनैचरल शक्तियों पर यकीन करती हैं?

देखने के लिए यह मेरा पसंदीदा सब्जेक्ट है। मुझे सुपरनैचरल, थ्रिलर, ऐक्शन, क्राइम बेस्ड सब्जेक्ट बहुत आकर्षित करते हैं। मेरे साथ कभी कोई भुतहा अनुभव नहीं हुआ मगर हम फिल्म के लिए जिन इलाकों में शूटिंग करते हैं, वहां लोग भूतों से जुड़ी ऐसी-ऐसी कहानियां सुनाते हैं कि आपको यकीन होने लगता है कि कुछ है। लगता है कि वॉशरूम में कोई है। आप डर जाते हैं। ‘द लास्ट आवर‘ की शूटिंग हमने सिक्किम और दार्जिलिंग के अंदरूनी इलाकों में की है। इसका विषय मुर्दों से बात करने पर आधारित है तो विषय तो डरावना है ही।‘

आपके लिए इंडस्ट्री में सुचित्रा सेन की नवासी होना आशीर्वाद था या भार?

‘मैं जब इंडस्ट्री में आई और मेरी पहली दो-तीन फिल्में रिलीज हुईं तो मुझे भार लगने लगा। सुचित्रा सेन की नवासी होने का बहुत जबरदस्त प्रेशर था। लोगों की अपेक्षाएं मुझसे बहुत ज्यादा थीं। मुझसे बस यही कहा जाता था, आपको अपनी नानी से ऐक्टिंग सीखनी चाहिए। लोगों का मानना था कि मैं उनकी ग्रैंडडॉटर हूं तो मुझे अभिनय के बारे में सबकुछ पता होना चाहिए। असल में वह प्रेशर मैंने खुद पर ले लिया मगर फिर मेरे करियर में ‘चोखेर बाली‘ जैसी फिल्म आई और मेरे प्रति लोगों का नजरिया बदला। मैंने ऐक?ट्रेस के रूप में खुद को स्थापित किया।‘

अब ओटीटी पर आपके लिए रोल लिखे जा रहे हैं लेकिन क्या कभी आपको रिजेक्शन का सामना करना पड़ा है?

‘बहुत बार। शुरुआत में तो मैं कई बार रिजेक्ट हुई। साउथ की एक फिल्म से दो दिन की शूटिंग के बाद मुझे इसलिए निकाल दिया गया कि मुझे बाइक चलाना नहीं आता था। शुरू-शुरू में मैं कई ऑडिशन में जाती थी और कहीं भी सिलेक्ट नहीं होती थी। उस सिलसिले से मैं इतनी निराश हो गई थी कि मैंने तय किया कि मैं अब कभी ऑडिशन नहीं दूंगी। मौका भले मुझे आसानी से मिला मगर आगे चलकर मेरा संघर्ष एक न्यूकमर की तरह ही रहा। शुरू का स्ट्रगल अब काम आ रहा है। जिन समर्थ कलाकारों को वर्षों से अच्छा काम नहीं मिल रहा था, ओटीटी के आने से उन्हें दमदार किरदार मिलने लगे हैं। आज हर किसी के लिए काम है। मैं तो करियर के इस मुकाम पर बहुत खुश हूं।‘

‘आंधी‘, ‘ममता‘, ‘देवदास‘ जैसी कई आइकॉनिक फिल्में कर चुकीं अपनी नानी सुचित्रा सेन की किस फिल्म का रीमिक्स करना चाहेंगी?

‘मुझे तो मेरी नानी की फिल्मों के रीमिक्स के ऑफर आते रहते हैं लेकिन मैं उनकी किसी फिल्म का रीमिक्स नहीं करना चाहूंगी क्योंकि वह एक लेजंड हैं। आज भी लोग मेरे पास आकर मेरा हाथ महज इसलिए चूमते हैं कि मैं सुचित्रा सेन की नवासी हूं। उनका इतना जबरदस्त क्रेज है कि मुझे नहीं लगता, मैं उन्हें मैच कर पाऊंगी। हां, कभी उनकी बायॉपिक बनती है तो मैं उनकी जवानी का पार्ट खुशी-खुशी अदा करने को तैयार हूं।‘

इंडस्ट्री में रहकर काम के साथ परिवार को संभालना मुश्किल

अभिनेता सुनील शेट्टी का कहना है कि अगर आप मनोरंजन जगत का हिस्सा हैं, तो ऐसे में परिवार के लिए वक्त निकालना काफी मुश्किल हो जाता है। हालांकि ऐसा नामुमकिन भी नहीं है। डांस रिएलिटी शो ‘सुपर डांसर : चैप्टर 4‘ की शूटिंग के लिए सेट पर मौजूद रहे सुनील शेट्टी ने अपनी पत्नी माना के साथ अपने रिश्ते पर बात की। उन्होंने कहा, ‘‘कई सारी यादें ताजा हो गई हैं, यकीन नहीं आता। हमें साथ हुए शायद करीब 40 साल हो गए हैं। नौ साल एक-दूसरे को देखते हुए और इस बार 30 साल शादी के हो गए। इंडस्ट्री में रहकर फैमिली लाइफ को बैलेंस करना और काम काफी मुश्किल हो जाता है, लेकिन यह नामुमकिन नहीं है, अगर आपके पास एक ऐसा पार्टनर हो, जो स्ट्रॉन्ग हो और जिसका आप पर सौ फीसदी विश्वास हो। माना को मेरा सलाम।‘‘

दीपिका पादुकोण सेवन हैप्पी वुमन की सूची में शामिल

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने ‘हैप्पी डायमंड‘ अभियान के तहत चोपर्ड की ‘सेवन हैप्पी वुमन‘ सूची में जगह बनाई है। सूची में अन्य नामों में अजा नाओमी किंग, जंग रियो-वोन, सैडी सिंक, ऐनी नाकामुरा, डोर्रा जरौक और यांग जी शामिल हैं। चोपार्ड के सह-अध्यक्ष और कलात्मक निदेशक, कैरोलिन शेफेले ने हैप्पी डायमंड्स को मूर्त रूप देने के लिए अद्वितीय प्रभाव वाले नामों को चुना है। ‘‘मैसन के सात दोस्त, जो अपने-अपने तरीके से, दुनिया में रहने और युग की भावना के मालिक होने के एक मजबूत, स्वतंत्र, आनंदमय तरीके का प्रतिनिधित्व करते हैं। दीपिका पादुकोण, अजा नाओमी किंग, जंग रियो-वोन, सैडी सिंक, ऐनी नाकामुरा, डोर्रा जरौक और यांग जी सभी ने अपने समय के कोड को इस तरह से समझ लिया है कि वे एकवचन और उदार दोनों तरह से अपनी राह दिखा सकें।‘‘ उनकी शक्तिशाली आवाजें हैं जो कैरिन शेफेले - कैरोलिन शेफेले की मां के साथ प्रतिध्वनित होती हैं - जिन्होंने एक बार कहा था, भविष्य के पहले स्केच के साथ हैप्पी डायमंड्स का सामना करना पड़ा, ‘हीरे तब खुश होते हैं जब वे स्वतंत्र होते हैं।‘

टीवी पर डेब्यू करने जा रहे रणवीर सिंह, रियलिटी शो करेंगे होस्ट!

बड़े पर्दे पर अपनी एक्टिंग से करोड़ो लोगों का दिल जीतने वाले बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह अब टीवी इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं। खबरों के अनुसार रणवीर सिंह जल्द ही एक रियलिटी शो होस्ट करते नजर आने वाले हैं। खबरों के अनुसार, रणवीर सिंह कलर्स चैनल के एक क्वीज शो को होस्ट करते नजर आएंगे, जिसका नाम ‘न्यू बिग रियलिटी सीरीज‘ बताया जा रहा है।

इस शो में कुल 12 राउंड होंगे। शो में एक खास सीरीज में तस्वीरों को दिखाकर कुछ सवाल पूछे जाएंगे। सही जवाब देने और सारे राउंड पार करने वाले कंटेस्टेंट को 5 करोड़ रुपए का कैश प्राइज मिलेगा। बताया जा रहा है कंटेस्टेंट को 3 लाइफ लाइन भी दी जाएगी। इन तीन लाइफलाइन के नाम भारत बचाएगा, परिवार का प्यार और किस्मत पलट होगा। इन लाइफलाइनों की मदद से कंटेस्टेंट्स चौथे और आठवें राउंड में जैकपॉट सवाल भी खेल पाएंगे। रणवीर का यह शो 25 जुलाई से रात 8 बजे से लेकर 9 बजे तक वीकेंड के दिन लॉन्च होगा। शो के कुल 26 एपिसोड होंगे। बता दें कि रणवीर सिंह से पहले अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान टीवी पर शोज होस्ट कर चुके हैं। अब रणवीर सिंह टीवी पर किस तरह लोगों को एंटरटेमेंट करते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। रणवीर सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 83 काफी समय से रिलीज का इंतजार कर रही है। इस फिल्म में वह कपिल देव की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह सर्कस और जयेशभाई जोरदार में नजर आएंगे। वहीं हाल ही में खबर आई है कि वह केवी विजयेंद्र की फिल्म में रावण का किरदार निभा सकते हैं।

नेपोटिज्म पर बोले करण देओल

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल के बेटे एक्टर करण देओल को बॉलीवुड में आए हुए 2 साल हो गए हैं, लेकिन अभी भी वह उतने लोकप्रिय नहीं हुए जितना की उनके पिता और दादा अपने शुरुआती दिनों में हुए थे। इसी बीच करण देओल ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पहली फिल्म की असफलता, नेपोटिज्म और अपने पिता सनी के संग अपने रिश्ते को लेकर बिंदास बातें की है। नेपोटिज्म से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए करण ने कहा कि मैं इन चीजों से नहीं भाग सकता कि मुझे लॉन्च होने के लिए प्लेटफॉर्म दिया गया, लेकिन यह बात तो तय है कि आखिरी में आपका टैलेंट ही आपके काम आता है। अगर आप अच्छे नहीं है या आप अपना 100 प्रतिशत नहीं दे रहे तो आप बाहर हो जाएंगे। यहां बहुत कंपीटिशन है। इस फिल्ड में आपको पहली फिल्म तो आसानी से मिल जाएगी लेकिन इसमें टिके रहने के लिए प्रतिभा चाहिए। करण देओल साल 2019 में आई फिल्म ‘पल-पल‘ से बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों को उतना पसंद नहीं आया, जितना लोगों को उमींदें थीं। अब करण को अपने परिवार के साथ ‘अपने 2‘ में देखने को मिलेगा।

मुझे राहत है कि माता-पिता को वैक्सीन लग गया

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने माता-पिता को टीका लगवाने से राहत महसूस कर रही हैं, क्योंकि उनसे महीनों दूर रहने के बाद मिलने से आश्वासन मिला है। कुछ महीने पहले कोविड से ठीक हुई श्वेता, बनारस में ‘एस्केप लाइव‘ और मनाली में ‘ये काली काली आँखें‘ की शूटिंग कर रही हैं। वह अपने करियर के कारण अब मुंबई में रहती है लेकिन वह मूल रूप से राजधानी की रहने वाली है और उसके माता-पिता अभी भी यहां रहते हैं। श्वेता का कहना है कि वह अगले कुछ हफ्तों में उनसे मिलने की उम्मीद कर रही हैं। श्वेता ने कहा, ‘‘वर्तमान में मेरी सबसे बड़ी राहत है कि मेरे माता-पिता दोनों को टीका लग गया है। मैं वास्तव में दिल्ली और मुंबई के अधिकारियों द्वारा वहां रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सहज टीकाकरण अनुभव सुनिश्चित करने की कोशिशों की सराहना करती हूं।‘‘ श्वेता वेब श्रृंखला ‘मिजार्पुर‘ के अलावा ‘मसान‘, ‘हरामखोर‘ और ‘गॉन केश‘ जैसी फिल्मों में प्रदर्शन कर चुकी है। ‘ये काली काली आंखें‘ में ताहिर राज भसीन भी हैं जबकि ‘एस्केप लाइव‘ में साउथ स्टार सिद्धार्थ हैं।

रवींद्र जडेजा ने बयां किया अपना दर्द, बताया क्यों उड़ गई थी रातों की नींद

लंदन। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने खेले जाने वाले टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए रवींद्र जडेजा की टीम में वापसी हुई है। पिछले कुछ सालों में जडेजा की बल्लेबाजी में आए सुधार के बाद प्लेइंग 11 में उनका चयन तय माना जा रहा है। इंग्लैंड रवाना होने से पहले जडेजा ने अपनी कामयाबी का राज बयां किया है। जडेजा ने कहा कि 2018 में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट ने उनके लिए सबकुछ बदल कर रख दिया। जडेजा का कहना है कि उस टेस्ट में किए गए प्रदर्शन से उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला क्योंकि उन दिनों वह अपने करियर में संघर्ष कर रहे थे और भारतीय टीम में तीनों फॉर्मेट में जगह बनाने के लिए जूझ रहे थे। 2018 में ओवल में पांचवें टेस्ट के दौरान भारतीय टीम इंग्लैंड द्वारा पहली पारी में बनाए गए 332 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और एक समय तक उसने 160 रन तक अपने छह विकेट गंवा दिए थे और फिर जडेजा आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उन्होंने 156 गेंदों पर 86 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारत को संकट से बाहर निकाला। जडेजा ने कहा, उस टेस्ट ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। पूरा खेल। मेरा प्रदर्शन, मेरा आत्मविश्वास, सब कुछ। जब आप सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ अंग्रेजी परिस्थितियों में स्कोर करते हैं, तो यह आपके आत्मविश्वास को बहुत प्रभावित करता है। यह आपको महसूस कराता है कि आपकी तकनीक दुनिया में कहीं भी स्कोर करने के लिए काफी अच्छी है। बाद में हार्दिक पांड्या चोटिल हो गए और मैंने वनडे में वापसी की। तब से मेरा खेल अच्छा चल रहा है।

जो रूट अपने प्रदर्शन से खुश नहीं, कहा- यह काम करना है अभी बाकी

लंदन। इस साल टेस्ट क्रिकेट में अभी तक सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने बनाए हैं। शानदार फॉर्म में चल रहे जो रूट अभी भी अपने प्रदर्शन से ज्यादा खुश नहीं हैं। रूट ने कहा कि बल्ले से उनका बेस्ट आना अभी बाकी है और करियर के अपने दूसरे चरण में वह और बेहतर करना चाहते हैं। रूट का कहना है कि वह अपने करियर के शिखर पर पहुंचना चाहते हैं। रूट ने डेली मेल से कहा, निश्चित रूप से मुझे लगता है कि बल्ल से मेरा सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। मैं चाहता हूं कि इस विंटर की शुरूआत की तरह और भी सीरीज हों, और ऐसे बड़े शतक लगाउं जो सीरीज जीतने में मदद कर सके। मैं अपने करियर के अगले चरण को शिखर पर पहुंचाना चाहता हूं। रूट की कप्तानी में इंग्लैंड को दो जून से न्यूजीलैंड के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके बाद उसे भारत के साथ चार अगस्त से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इंग्लैंड की टीम इसके बाद आठ दिसंबर से एशेज सीरीज के लिए मैदान पर उतरेगी।

सचिन ने खोला दिला का राज- हमेशा रहेगा इन दो बातों का मलाल

मुंबई। सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट की दुनिया का सबसे महान बल्लेबाज माना जाता है। क्रिकेट को अलविदा कहने के करीब 10 साल बाद भी बल्लेबाज का लगभग हर बड़ा रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम ही है। लेकिन सचिन तेंदुलकर को दो बातों को बहुत मलाल है। सचिन ने कहा कि गावस्कर और रिचर्डस के साथ नहीं खेलने का मलाल उन्हें सारी उम्र रहेगा। तेंदुलकर ने हाल ही में अपने दिल का राज बयां किया है। सचिन तेंदुलकर ने कहा, मुझे दो बातों का मलाल है। पहला ये कि मैं कभी भी सुनील गावस्कर के साथ नहीं खेल पाया। जब मैं बड़ा हो रहा था तो गावस्कर मेरे बैटिंग हीरो थे। एक टीम के तौर पर उनके साथ नहीं खेलने का हमेशा मलाल रहेगा। वो मेरे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने से कुछ पहले ही संन्यास ले चुके थे।

सचिन के नाम दर्ज हैं 100 शतक

2013 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले तेंदुलकर के नाम अभी भी टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। भारत के लिए 200 टेस्ट और 463 वनडे मैच खेलने वाले तेंदुलकर के नाम टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक दर्ज हैं। सचिन तेंदुलकर रिचर्ड्स के खिलाफ इंटरनेशनल मैच नहीं खेल पाए। उन्होंने कहा, मेरे बचपन के हीरो सर विवियन रिचर्डस के खिलाफ नहीं खलेने का मेरा दूसरा मलाल है। मैं भाग्यशाली था कि मैं उनके खिलाफ काउंटी क्रिकेट में खेल पाया। लेकिन मुझे अब भी उनके खिलाफ एक इंटरनेशनल मैच नहीं खेल पाने का मलाल है। भले ही रिचर्डस साल 1991 में रिटायर्ड हुए और हमारे करियर में कुछ साल उतार चढाव के हैं, लेकिन हमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिला। फिलहाल सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट से दूरी बना रखी है। संन्यास लेने के बाद सचिन किसी और भूमिका में नज़र नहीं आए हैं।

पोवार से झगड़े को भूल चुकी हैं मिताली: महिला टीम की कप्तान ने कहा- 21 साल से खेल रही हूं, जानती हूं कि निजी मसले को तूल देने का मतलब नहीं

मुंबई। भारतीय महिला टेस्ट और वनडे क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने कहा कि कोच रमेश पोवार के साथ अब उनका कोई मतभेद नहीं है। वे 2018 में वेस्टइंडीज में टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद पोवार से हुए झगड़े को भूल चुकी हैं। मिताली ने कहा कि वे 21 साल से देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। भारत के लिए खेलने का मतलब होता है देश की सेवा करना। इसलिए निजी मसलों को तूल देने का कोई मतलब नहीं है।

पोवार के साथ नियमित मीटिंग और चर्चा

मिताली ने कहा कि कोच पोवार के साथ नियमित तौर पर उनकी मीटिंग हो रही है। साथ ही टीम की प्लानिंग को लेकर लगातार चर्चा भी होती है। इससे साफ है कि दोनों पुराने मसले को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुके हैं।

मिताली ने कहा, 'मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है। साथ ही मैं अपनी निजी लाइक और डिसलाइक पर ध्यान नहीं देती। मैंने ऐसा कभी नहीं किया है।' मिताली राज अभी पूरी टीम के साथ मुंबई में क्वारैंटाइन हैं। 3 जून को वहां

से भारत की पुरुष और महिला टीम इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

टीम के लिए अगले 8 महीने काफी अहम

मिताली ने कहा कि उनको पता है कि क्या जरूरी है और क्या गैर जरूरी। प्रोफेशनल करियर में किसी एक बात को बहुत ज्यादा तूल देना सही नहीं है। भारतीय कप्तान ने कहा कि अगले 8 महीने महिला टीम के लिए काफी अहम है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में सीरीज खेलने के बाद टीम को अगले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी करनी है।

सात साल बाद पहला टेस्ट मैच खेलेगी महिला टीम

भारतीय महिला टीम इंग्लैंड दौरे की शुरुआत मेजबान टीम के खिलाफ टांटन में टेस्ट मैच के साथ करेगी। यह सात साल में भारतीय महिला टीम का पहला टेस्ट मैच होगा। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। वहां भी टेस्ट मैच के साथ-साथ अन्य फॉर्मेट के मुकाबले भी होंगे। ऑस्ट्रेलिया में पर्थ में खेला जाने वाला टेस्ट मैच डे-नाइट (पिंक बॉल) होगा। यह भारतीय महिला टीम का पहला डे-नाइट टेस्ट मैच होगा।

पूजा रानी ने लगातार दूसरा गोल्ड जीता

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज और गत चैंपियन पूजा रानी ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। वहीं एमसी मैरीकॉम ने रजत पदक जीता। ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी पूजा (75 किग्रा) बाई और वॉकओवर मिलने के बाद टूर्नामेंट में पहला मुकाबला खेल रही थीं। पूजा ने उज्बेकिस्तान के मावुलडा मोवलोनोवा को शानदार प्रदर्शन के साथ हराया और मूवलोनोवा उनके सामने टिक नहीं पाई। यह मुकाबला जीतने के लिए पूजा रानी को 10 हजार डालर की इनामी राशि भी मिली।

लालबुतसाही ने भी किया अच्छा प्रदर्शन

लालबुतसाही को भी कजाकस्तान के प्रतिद्वंद्वी मिलाना साफरोनोवा से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों भारतीयों को 5,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के मिली। लालबुतसाही को अनुभवी प्विलाओ बासुमतारी की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था जिनका पासपोर्ट एक्सपायर हो गया था। इस मिजो बॉक्सर ने शुरुआत में अपने जवाबी हमलों से अपने प्रतिद्वंद्वी को थका दिया, लेकिन अंतिम दौर में लय खो बैठीं और दूसरा नंबर पर रहीं।

अमित पंघाल, शिव थापा और संजीत खलेंगे फाइनल मुकाबले

पुरुषों के फाइनल में अमित पंघाल (52 किग्रा), शिव थापा (64 किग्रा) और संजीत (91 किग्रा) मुकाबले खेलेंगे। पंघाल का सामना मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन उज्बेकिस्तान के शाखोबिदीन जोइरोव से होगा। वहीं, थापा का सामना मंगोलिया के बातरसुख चिनजोरिग से होगा, जो एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता हैं। अंजीत कजाख मुक्केबाज वासिली लेविट से भिड़ेंगे।

मिताली राज : भारत की सबसे अनुभवी महिला खिलाड़ी मिताली राज अपने खूबसूरती के साथ-साथ शानदार बल्लेबाज़ी के लिए भी जानी जाती हैं। वनडे क्रिकेट में 50 से ज्यादा की औसत से रन बनाने वाली इस खिलाड़ी ने 210 मैचों में कुल 6938 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 54 अर्धशतक और सात शतक निकले हैं।

फाइनल में हारीं मैराकॉम, कजाकिस्तान की नाजिम किजाइबे ने दी शिकस्त

नई दिल्ली। एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में कज़ाकस्तान की नाजिम किजाइबे ने छह बार की विश्व चैम्पियन मैरीकॉम को हरा दिया। मैरीकॉम को 51 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में नाजिम किजाइबे के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

फाइनल मुकाबले में हार के कारण मैरॉकाम को रजत पदक (सिल्वर मेडल) से ही संतोष करना पड़ा। हालांकि, टूर्नामेंट में यह उनका सातवां मेडल है। मणिपुर की इस खिलाड़ी को पुरस्कार राशि के तौर पर 5000 डॉलर (लगभग 3।6 लाख रुपये) और किजाइबे को 10,000 डॉलर (लगभग 7।2 लाख रुपये) मिले। छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम दुबई में जारी 2021 एएसबीसी एशियाई महिला एवं पुरुष मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में हार गईं। इसके साथ ही मैरी कॉम अपने रिकार्ड छठे स्वर्ण पदक से चूक गईं। मैरी कॉम को 51 किग्रा वर्ग के फाइनल में दो बार की विश्व चैंपियन नाजिम काजैबे

ने 3-2 से हराया। इस हार के साथ एशियाई चैम्पियनशिप में मैरी कॉम का रिकार्ड छह स्वर्ण पदक जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। मैरी कॉम ने एशियाई चैम्पियनशिप में सातवीं बार हिस्सा लेते हुए दूसरी बार रजत पदक जीता है। मैरी कॉम और लैशराम सरिता देवी ने एशियाई चैम्पियनशिप में पांच-पांच स्वर्ण पदक जीते हैं। इस महान मुक्केबाज ने 2003, 2005, 2010, 2012 और 2017 संस्करणों में स्वर्ण जीता था जबकि 2008 और इस साल उनके हिस्से में रजत पदक आया।

पाकिस्तानी क्रिकेटर कामरान अकमल का बड़ा बयान, कहा-

इंडिया की 'सी' टीम भी श्रीलंका को दे सकती है मात

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज़ कामरान अकमल ने भारतीय क्रिकेट टीम को लेकर बड़ा बयान दिया है। अकमल का मानना है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों का शानदार पूल तैयार किया है और अगर वो अपनी सी टीम भी श्रीलंका के दौरे पर भेजता है, तो वो भी वहां जीत दर्ज कर सकती है। अकमल ने कहा कि टीम इंडिया के पास कप्तान के तौर पर कई ऑप्शन मौजूद हैं और यही टीम की सबसे बड़ी ताकत है।

बता दें कि भारत को जुलाई में सीमित ओवरों की सीरीज़ के लिए श्रीलंका का दौरा करना है। इस सीरीज़ में विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा समेत वो खिलाड़ी नहीं खेलेंगे, जो इंग्लैंड दौरे के लिए चुने गए हैं। इसका मतलब है कि भारत एक समय में दो जगह इंटरनेशनल क्रिकेट खेलेगा। कामरान अकमल ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, टीम इंडिया के माइंडसेट के लिए फुल क्रेडिट। जल्द ही एक समय में उनकी दो टीमें खेलेंगी। एक इंग्लैंड में और दूसरी श्रीलंका में। उनका क्रिकेट कल्चर काफी मजबूत है और वो एक ही समय पर तीन इंटरनेशनल टीमें भी उतार सकते हैं।

अकमल ने आगे कहा, यहां तक कि अगर भारत श्रीलंका दौरे पर अपनी सी टीम भी भेजता है तो वो भी वहां जीत दर्ज करने में कामयाब रहेगी। श्रीलंका ने हाल ही में बांग्लादेश के हाथों हार का सामना किया है।

कामरान अकमल का इंटरनेशनल करियर

गौरतलब है कि कामरान पाकिस्तान के लिए अब तक 53 टेस्ट, 157 वनडे और 58 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। टेस्ट में उनके नाम 2648 रन, वनडे में 3236 रन और टी20 इंटरनेशनल में 987 रन हैं।

विदेशों में खेले जाने वाले सीरीज में भी जीत दर्ज करे बांग्लादेश की टीम- मुख्य कोच रसेल डोमिंगो

ढाका। बांग्लादेश ने भले ही श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज जीत ली हो लेकिन मुख्य कोच रसेल डोमिंगो चाहते हैं कि टीम घर से दूर खेले जानेवाली सीरीज में जीत दर्ज करे। बांग्लादेश ने तीसरे वनडे मैच में हार के बाद श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीत ली। श्रीलंका ने इस मैच में 97 रनों से जीत दर्ज कर आखिरी मैच जीतने का मौका नहीं गंवाया।

बांग्लादेश टीम के मुख्य कोच रसेल डोमिंगो ने एक इंटरव्यू में कहा, 'इस वनडे टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती अलग-अलग परिस्थितियों में घर से बाहर जीतने की कोशिश करना है। वे बांग्लादेश में बहुत अच्छी टीम हैं। मुझे लगता है कि अगर हम घर से दूर जाकर उस आत्मविश्वास को हासिल कर लेते हैं, तो यह बड़ी बात

होगी।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि घर से दूर खेलकर हमें एक या दो बड़े मैच जीतने की जरूरत है। एक बार जब आपको यह विश्वास मिल जाता है कि आप अच्छा खेल सकते हैं, तो इससे टीम मानसिक रूप से बेहतर स्थिति में आ जाएगी।'

विदेशों में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत: डोमिंगो

बांग्लादेश ने पहले दो वनडे मैचों में श्रीलंका को आसानी से हराया, लेकिन मेजबान टीम का हाईएस्ट स्कोर निर्धारित 50 ओवरों में 257 रन था। डोमिंगो को लगता है कि ढाका में बचाव के लिए 230 या 240 रन पर्याप्त हो सकते हैं, लेकिन अगर बांग्लादेश घर से बाहर खेल रहा होता तो वे पर्याप्त नहीं होते। डोमिंगो ने कहा, 'ढाका में हम जितने रन बना रहे हैं, उससे मैं बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। आप केवल उतना ही स्कोर कर सकते हैं, जितना कि कभी-कभी विकेट आपको अनुमति देते हैं। कई बार टीमों से ढाका में 300 रन नहीं बन पाते।' उन्होंने आगे कहा, 'निश्चित रूप से जब आप घर से दूर खेल रहे होते हैं, कई बार आप 230-240 रन बनाकर गेम नहीं जीतते। यदि विदेशों में बेहतर प्रदर्शन करना है तो आपको अच्छा स्कोर बनाना होगा, तभी आप मैच जीतने में कामयाब हो सकते हैं।

परिवार से मिलने की खुशी : वॉर्नर, स्मिथ और कमिंस समेत 38 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी और स्टाफ क्वारैंटाइन पूरा कर घर लौटे, शेयर की इमोशनल तस्वीरें

दिल्ली। आईपीएल 2021 सीजन में हिस्सा लेने पहुंचे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स, कोच, कमेंटेटर्स और स्टाफ करीब 20 दिन बाद अपने-अपने घर पहुंच चुके हैं। डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल और पैट कमिंस समेत 38 खिलाड़ी और स्टाफ IPL सस्पेंड होने के बाद पिछले 3 हफ्ते से मालदीव और फिर ऑस्ट्रेलिया में ही क्वारैंटाइन थे। आज वे सभी अपने-अपने घर पहुंचे और परिवार से मिलने के बाद इमोशनल तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

कमिंस, वॉर्नर और कई खिलाड़ी सोमवार सुबह क्वारैंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद घर पहुंचे। उन्हें देखकर परिवार वाले इमोशनल हो गए और गले से लगा लिया। खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया कि वे पिछले 2 महीने से अपने परिवार वालों से नहीं मिले थे। चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज जेसन बेहरनडॉर्फ ने न्यूज कॉर्प को बताया कि कहीं पर फंस जाना कठिन होता है। अब जब हम घर पहुंचे हैं, तो काफी सुकून मिला है। वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा- घर आकर शानदार महसूस कर रहा हूं। कोलकाता नाइट राइडर्स से खेलने वाले कमिंस की प्रेगनेंट पार्टनर बेकी बॉस्टन 2 महीने बाद उनसे मिलकर रो पड़ीं।

सभी खिलाड़ी फिलहाल 2-3 हफ्ते ही घर पर रह सकेंगे। इसके बाद टीम वेस्टइंडीज दौरे की तैयारी करेगी। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक कमिंस और वॉर्नर को विंडीज दौरे के लिए आराम दिया जा सकता है। विंडीज सीरीज की शुरुआत 10 जुलाई से होगी और ऑस्ट्रेलियाई टीम जुलाई के पहले हफ्ते में विंडीज के लिए रवाना हो सकती है।

सूत्रों के मुताबिक IPL के बाकी बचे 31 मैच 19 सितंबर से खेले जा सकते हैं। BCCI ने बाकी मैचों के यूएई में होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, इसमें कमिंस समेत कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के नहीं खेलने की भी खबर है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने पहले ही अपने खिलाड़ियों को दूसरे लेग के लिए मना कर रखा है।

IPL का मौजूदा सीजन कोरोना के मामले सामने आने के बाद 3 मई को सस्पेंड कर दिया गया था। तब तक 29 मैच खेले जा चुके थे। हालांकि, तब तक ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारत से आने वाले लोगों और फ्लाइट पर 15 मई तक बैन लगाया था। इसकी वजह से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियो, स्टाफ और कोच को BCCI ने अपने चार्टर्ड फ्लाइट से मालदीव पहुंचा दिया था।

15 मई तक 38 लोगों का ऑस्ट्रेलियाई दस्ता मालदीव में ही क्वारैंटाइन रहा। 15 मई को BCCI ने एक बार अपने चार्टर्ड फ्लाइट से सभी खिलाड़ी, स्टाफ और कोच को सिडनी पहुंचाया। वहां, सभी को 14 दिन के लिए एक होटल में क्वारैंटाइन किया गया। इसका खर्च BCCI ने ही दिया था। 14 दिन क्वारैंटाइन में बिताने के बाद आज सभी अपने-अपने घर पहुंच गए।